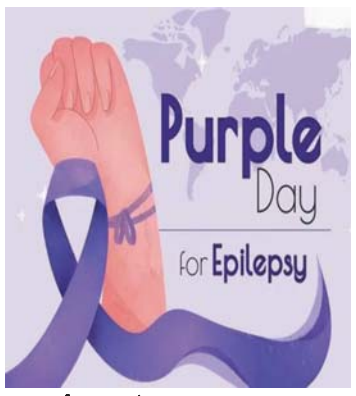

दैनिक
सांध्य प्रकाश
भोपाल की धड़कन

वर्ष 52/ अंक 221/ पृष्ठ 8 / मूल्य ₹ 2.10
संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल
▪आर.एन.आई 22296/71 ▪डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14

भोपाल, रविवार 26 मार्च 2023 भोपाल से प्रकाशित
dainiksandhyaprakash.in

मोदी ने 39 दिन की ऑर्गन डोनर बच्ची के माता-पिता से बात की, कहा-

मन की बात: का 99वां एपिसोड

आपके हौसले को सलाम

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मन की बात के 99वें एपिसोड को संबोधित किया। इस एपिसोड में उन्होंने ऑर्गन डोनेशन पर बात की। उन्होंने दो ऐसे परिवारों से बात की, जिनके किसी सदस्य की मृत्यु के बाद उसके अंगदान किए गए। इनमें से एक परिवार पंजाब का था, जिसकी 39 दिन की बच्ची देश की सबसे कम उम्र की ऑर्गन डोनर बनी।

पीएम मोदी ने इस एपिसोड में नारी शक्ति, क्लीन एनर्जी, कोरोना से सावधानी और अगल महीने होने जा रहे सौराष्ट्र-तमिल संगमम पर बात की। उन्होंने मन की बात के 100वें एपिसोड को लेकर लोगों की राय भी मांगी। उन्होंने कहा कि लोगों के विचार ही 30 अप्रैल को होने वाले 100वें मन की बात को खास बनाएंगे।

39 दिन की अबाबत की किडनी डोनेट की गई– ऑर्गन डोनेशन के बारे में बात करते समय पीएम मोदी ने देश की सबसे कम उम्र की डोनर के माता-पिता से बात की। 39 दिन की उम्र में किडनी डोनेट करने वाली अबाबत

के पिता सुखबीर ने बताया कि उनके घर बहुत प्यारी गुडिया आई थी। लेकिन, उसके पैदा होते ही उन्हें पता चला कि उसके दिमाग में नाड़ियों का ऐसा गुच्छा बना हुआ है जिसकी वजह से उसके दिल का आकार बड़ा हो रहा है। पहले 24 दिन तक तो बहुत ठीक रहा बच्चा बिल्कुल नॉर्मल रहा। अचानक उसका दिल एकदम काम करना बंद हो गया। उसे हॉस्पिटल लेके गए, वहां डॉक्टरों ने उसे बचा लिया लेकिन उसे क्या दिक्कत आई, ये समझने में वक्त लगा।

उन्होंने बताया कि क्लढ्ढ चंडीगढ़ के डॉक्टरों ने बताया कि बच्चा 6 महीने का होता तो ऑपरेशन कर सकते थे। 39 दिन की होने पर बच्ची को दोबारा दिल का दौरा आया और इस बार डॉक्टर उसे बचा नहीं सके। तब हमने उसके ऑर्गन डोनेट करने का फैसला लिया, ताकि किसी और के जीवन में उजाला आ सके। डॉक्टरों ने कहा कि इतने छोटे बच्चे की सिर्फ किडनी डोनेट की जा सकती है। इसके बाद हमने गुरुनानक को याद करके यह फैसला लिया।

मुख्यमंत्री ने किया मन की बात कार्यक्रम का श्रवण

भोपाल । प्रधानमंत्री श्री नरेंद्रमोदी ने आज आकाशवाणी से मन की बात कार्यक्रम के 99 वें एपिसोड में विचार रखे। इस कार्यक्रम का श्रवण भोपाल की इंद्रप्रस्थ कॉलोनी में मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान सहित भोपाल प्रवास पर आए भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जेपी नड्डा,केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने किया।इस अवसर पर अनेक मंत्री गण ,जन प्रतिनिधि और नागरिक उपस्थित थे।

शहीद परिवार का सम्मान– मुख्यमंत्री श्री चौहान और श्री नड्डा ने शौर्य चक्र ग्रुप कैप्टन स्व वरुण सिंह की माताजी श्रीमती उमा सिंह और पिता श्री के पी सिंह का सम्मान किया। उल्लेखनीय है कि सीडीएस श्री विपिन रावत जी की हेलीकॉप्टर दुर्घटना में दिसंबर 2021 में मृत्यु हो गई थी। उस हेलीकॉप्टर में श्री वरुण सिंह भी सवार थे। हादसे में गंभीर रूप से घायल होने के बाद एक सप्ताह पश्चात श्री वरुण सिंह की भी मृत्यु हो गई थी।

भोपाल एयरपोर्ट पर जेपी नड्डा का भव्य स्वागत

जेपी नड्डा ने कार्यकर्ताओं को दिया 200 पार का मंत्र

भाजपा के नए कार्यालय भवन का करेंगे भूमिपूजन

भोपाल। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा रविवार को भोपाल दौरे पर हैं। सुबह करीब साढ़े दस बजे विमान से उनका भोपाल आगमन हुआ। स्टेट हैंगर पर सीएम शिवराज सिंह चौहान, भाजपा के प्रदेश प्रभारी पी मुरलीधर राव, प्रदेशाध्यक्ष वीडी शर्मा, केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया समेत पार्टी के अनेक नेताओं व कार्यकर्ताओं ने उनका आत्मीय स्वागत किया। इसी कड़ी में चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने स्टेट हैंगर पर किया राष्ट्रीय अध्यक्ष नड्डा का स्वागत।

स्वागत समारोह में जेपी नड्डा ने कहा कि राजा भोज की नगरी में आना मेरा सौभाग्य है। उन्होंने पार्टी के कार्यकर्ताओं में जोश भरते हुए कहा कि इस बार 200 पार करना है। यह संकल्प लें कि 51 प्रतिशत से ज्यादा वोट से हम मध्य प्रदेश में आएंगे। जेपी नड्डा ने शिवराज सरकार की लाडली बहना योजना को क्रांतिकारी कदम बताया। उन्होंने कहा कि बहनों के स्वाभिमान की दिशा में यह मील का पत्थर साबित होगी। इसके बाद जेपी नड्डा पार्टी के नेताओं के साथ भोपाल के गांधीनगर

मंडल के सनसिटी स्थित बूथ क्रमांक 53 में पहुंचे, जहां उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम को सुना। इसके उपरांत वह नवीन प्रदेश कार्यालय का भूमिपूजन, संभागीय बूथ अध्यक्ष सम्मेलन, प्रबुद्धजन समागम एवं प्रदेश कोर कमेटी की बैठक समेत कई कार्यक्रमों में शिरकत करेंगे। आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए जेपी नड्डा का यह दौरा काफी अहम माना जा रहा है।

यह है कार्यक्रम

जेपी नड्डा दोपहर 1.55 बजे नवीन भाजपा प्रदेश कार्यालय का भूमि पूजन करेंगे। नड्डा 2.45 बजे मोतीलाल नेहरू स्टेडियम (लाल परेड ग्राउंड) में भोपाल एवं नर्मदापुरम संभागों की 36 विधानसभाओं के बूथ अध्यक्षों के सम्मेलन को संबोधित करेंगे, जिसमें 20 हजार से अधिक लोग शामिल होंगे। शाम पांच बजे कुशाभाऊ ठाकरे कन्वेंशन हाल में प्रबुद्धजन समागम को संबोधित करेंगे और शाम सात बजे भाजपा प्रदेश कार्यालय में प्रदेश कोर कमेटी की बैठक को संबोधित करेंगे।

इसरो ने फिर रचा इतिहास, 36 सैटेलाइट्स के साथ भारी रॉकेट एलवीएम3 किया लॉन्च

नई दिल्ली। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन इसरो ने रविवार को एक और इतिहास रच दिया है। इसरो ने इसरो ने आज श्रीहरिकोटा लांचिंग पेड के जरिए एलवीएम-3-एम3 रॉकेट को सफलतापूर्वक लांच किया गया। इसके जरिए वन बेब की 36 सैटेलाइट को भी अंतरिक्ष में स्थापित किया गया। फरवरी में एसएसएलवी-डी2/इओएस07 मिशन के सफल लॉन्च के बाद 2023 में यह इसरो के लिए दूसरा लॉन्च है।

36 सैटेलाइट्स के साथ एलएवीएम-3 रॉकेट लॉन्च – इसरो के खाते में रविवार को एक और कामयाबी जुड़ गई। भारत ने 36 वनवेब इंटरनेट उपग्रहों को अंतरिक्ष में लॉन्च और प्रक्षेपित कर इतिहास रच दिया है। भारत के सबसे भारी लॉन्च रॉकेट, लॉन्च व्हीकल मार्क से लो अर्थ ऑर्बिट पर लॉन्च किए गए।

एलवीएम-3 का वजन 643 टन– एलवीएम-3-एम3 कुल 643 टन वजनी और 43.5 मीटर लंबा यह प्रक्षेपण यान इसरो का सबसे भारी प्रक्षेपण यान है जो अब तक पांच सफल उड़ानें पूरी कर चुका है जिसमें चंद्रयान-2 मिशन भी शामिल है। ये 36 उपग्रह 5805 टन वजनी हैं।

कौन है वन वेब कंपनी – ब्रिटिश स्टार्ट अप कंपनी वन वेब में एयरटेल यानि भारती एंटरप्राइजेज भी शेयरहोल्डर है। बता दें कि वनवेब के साथ इसरो की दो डील हुई हैं जिसमें से एक पिछले साल हुई थी। इस रॉकेट में दूसरी बार निजी कंपनी का कोई सैटेलाइट ले जा रहा है इसका सक्सेस रेट 100 फीसदी रहा है। बीते साल अक्टूबर में भी इसरो ने वनबेस के 36 सैटेलाइट्स एलवीएम-3 रॉकेट के साथ लॉन्च किए थे।

रीवा में एक ही परिवार के पांच लोग हैं मस्कुलर डिस्ट्राफी से पीड़ित

रीवा । जिले के त्योंथर तहसील में यादव परिवार के पांच सदस्य मस्कुलर डिस्ट्राफी नाम की अजीब बीमारी से जूझ रहे हैं। उक्त विषय की जानकारी जैसे ही मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को लगी तो उन्होंने पीड़ित परिवार से न केवल बात की बल्कि इसकी जानकारी भी दी मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने ट्वीट कर जानकारी दी है कि उनकी उसरगांव निवासी मनीष यादव ने बात की और बताया कि उनका परिवार मस्कुलर डिस्ट्राफी से पीड़ित है। मुख्यमंत्री ने चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने तथा हरसंभव सहयोग के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिये। कहा कि बेटा मनीष, आपको और आपके परिवार को चिंता करने की आवश्यकता नहीं है। मैं और पूरी मध्यप्रदेश सरकार आपके परिवार के साथ खड़ी है। आपको और परिवार के सभी सदस्यों को सर्वश्रेष्ठ चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जायेगी। आप सभी स्वस्थ जीवन का आनंद लें, यही मेरी शुभकामनाएं हैं। मुख्यमंत्री से बात करने के बाद परिवार को अच्छा लगने लगा है कि उनका इलाज हो जाएगा।

निर्मला सीतारमण बोलीं- ब्याज दर जोखिमों के बारे में सतर्क रहें बैंक, निरंतर आकलन का दिया सुझाव

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने अमेरिका में सिलिकॉन वैली बैंक के धड़ाम होने के बाद बैंकों से कर्ज दर जोखिमों के बारे में सतर्क रहने और निरंतर तनाव का आकलन करने को कहा। वित्त मंत्री ने कहा, बैंकों को उचित सावधानी बरतनी चाहिए और जोखिम प्रबंधन, जमा व परिसंपत्ति आधार के विविधीकरण पर ध्यान केंद्रित करते हुए नियामक ढांचे का पालन करना चाहिए। वित्त मंत्री ने शनिवार को विभिन्न वित्तीय स्वास्थ्य मानकों पर सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी) से प्रदर्शन की समीक्षा की। दो घंटे चली बैठक में सिलिकॉन वैली बैंक और सिग्नेचर बैंक के डूबने समेत क्रेडिट सुइस से संकट पर चर्चा हुई। वित्त मंत्री ने अल्पकालिक और दीर्घकालिक दोनों दृष्टिकोणों से विकासशील व तत्काल बाह्य वैश्विक वित्तीय तनाव पर भी चर्चा की।

राजघाट पर कांग्रेस के सत्याग्रह को नहीं मिली इजाजत, अब गांधी दर्शन स्मारक के बाहर कर रहे प्रदर्शन

नई दिल्ली। राहुल गांधी की सदस्यता जाने के बाद कांग्रेस प्रदर्शन कर रही है। पहले तय किया गया था कि राजघाट पर गांधी समाधि के पास प्रदर्शन होगा। लेकिन अब कांग्रेस राजघाट के सामने गांधी दर्शन स्मारक के बाहर प्रदर्शन कर रही है। राजघाट के चारों तरफ बड़ी संख्या में रैपिड एक्शन फोर्स, सीआरपीएफ और दिल्ली पुलिस की तैनाती है।

राहुल गांधी की सांसदी जाने के बाद कांग्रेस ने हल्ला बोल दिया है। कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ता आज देशभर में मोदी सरकार के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं। राहुल गांधी को अयोग्य घोषित किए जाने के विरोध में आज देशभर में कांग्रेस कार्यकर्ताओं सत्याग्रह कर रहे है। राजधानी दिल्ली में कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा महात्मा गांधी की समाधि पर सत्याग्रह किया जाना थाए, लेकिन दिल्ली पुलिस ने इसकी इजाजत नहीं। सुरक्षा का हलावा देते हुए राजघाट पर धारा 144 लागू कर दी। इसके बाद कांग्रेस ने सत्याग्रह के लिए अपनी जगह ही बदल दी। अब पार्टी कार्यकर्ता गांधी दर्शन स्मारक के बाहर प्रदर्शन कर रही है। सत्याग्रह के दौरान प्रियंका गांधी ने प्रधानमंत्री पर निशाना साधते हुए कहा कि आज तक हम चुप रहे हैं, आप हमारे परिवार का अपमान करते गए। मेरे भाई ने कहा- मैं आपसे नफरत नहीं करता। हमारी विचारधारा अलग है। मैं पूछना चाहती हूं कि एक आदमी का कितना अपमान करोगे। उन्होंने कहा कि लगा दो केस मुझ पर लेकिन सच ये है कि इस देश का प्रधानमंत्री कायर है। हालांकि, दिल्ली पुलिस ने यहां धारा 144 लागू की थी, लेकिन कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ता यहां पहुंचे। कार्यक्रम शाम 5 बजे खत्म होगा।।

कानून को कोई महत्व नहीं दिया जा रहा : खड़गे

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, पार्टी नेता प्रियंका गांधी वाड्रा, जयराम रमेश, केसी वेणुगोपाल और अन्य नेता संसद सदस्य के रूप में राहुल गांधी की अयोग्यता के विरोध में राजघाट पहुंचे। राजघाट पहुंचे कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा, बीजेपी राहुल गांधी को बोलने नहीं दे रही है। राहुल गांधी देश और जनता के हक के लिए लड़ रहे हैं और हम रुकेंगे नहीं। आज हम गांधी स्मारक जा रहे हैं और वहां सत्याग्रह करेंगे।

राजघाट के आसपास लागू की धारा 144

दिल्ली पुलिस ने एक पत्र में कहा कि कानून-व्यवस्था एवं यातायात संबंधी कारणों का हलवा देते हुए कांग्रेस के सत्याग्रह के अनुरोध को खारिज कर दिया। इसके साथ ही राजघाट में एवं इसके आसपास दंड प्रक्रिया संहिता सीआरपीसी की धारा 144 के तहत निषेधाज्ञा लागू की गई है। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि सत्याग्रह की अनुमति नहीं दी गई है और सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम किए गए हैं। राजघाट के चारों तरफ बड़ी संख्या में रैपिड एक्शन फोर्स, सीआरपीएफ और दिल्ली पुलिस की तैनाती है।

राहुल गांधी ने ट्विटर का बायो अपडेट किया, खुद को लिखा अयोग्य सांसद

नई दिल्ली। सूरत की अदालत से दो साल की सजा और फिर लोकसभा की सदस्यता रद्द होने के बाद से कांग्रेस नेता राहुल गांधी भाजपा सरकार पर हमलावर हैं। आज राहुल के समर्थन में देशभर में कांग्रेस कार्यकर्ता सत्याग्रह कर रहे हैं। इस बीच, राहुल गांधी ने भी अनोखे अंदाज में अपना विरोध दर्ज किया। राहुल ने अपना ट्विटर अकाउंट का बायो अपडेट किया है। मतलब ट्विटर पर खुद की दी गई जानकारी को राहुल ने बदला है। इसमें उन्होंने खुद को अयोग्य सांसद लिख दिया है।

149 दिन बाद देश में कोरोना के सबसे ज्यादा मरीज मिले, सात की मौत

नई दिल्ली। कोरोना के मामले एक बार फिर तेजी से बढ़ने लगे हैं। 149 दिन बाद देश में सबसे ज्यादा संक्रमितों की पहचान हुई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की रिपोर्ट के अनुसार, शनिवार को देशभर में कोरोना के 1890 मामले सामने आए हैं। इसी के साथ देश में एक्टिव केस की संख्या बढ़कर 9433 हो गई है। मतलब अब देश में नौ हजार 433 मरीज ऐसे हैं जिनका इलाज चल रहा है। इसके पहले पिछले साल 28 अक्तूबर को एक दिन में सबसे ज्यादा 2208 लोग संक्रमित पाए गए थे।

कोरोना से सात लोगों की मौत– केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की रिपोर्ट के अनुसार, शनिवार को देश में सात लोगों की संक्रमण के चलते मौत हो गई। इनमें तीन केरल, दो महाराष्ट्र और एक गुजरात से थे।

इसी के साथ कोरोना से मरने वालों का आंकड़ा देश में पांच लाख तीस हजार 831 हो गया है।

पॉजिटिविटी रेट भी बढ़ा– देश में कोरोना मरीजों के मिलने का आंकड़ा तेजी से बढ़ने लगा है। डेली और वीकली पॉजिटिविटी रेट में भी वृद्धि दर्ज हुई है। मंत्रालय की रिपोर्ट के अनुसार, डेली पॉजिटिविटी रेट 1.56 प्रतिशत हो गया है, जबकि वीकली पॉजिटिविटी रेट 1.29 प्रतिशत पहुंच गया है।

अब तक 4.47 करोड़ से ज्यादा लोग हुए संक्रमित– देश में अब तक चार करोड़ 47 लाख 147 लोग संक्रमण की चपेट में आ चुके हैं। इनमें 0.02 प्रतिशत मरीज ऐसे हैं, जिनका अभी इलाज चल रहा है, जबकि 98.79 प्रतिशत मरीज ठीक हो चुके हैं। मंत्रालय के अनुसार, अब तक 220.65 करोड़ कोरोना वैक्सीन के डोज लगाए जा चुके हैं।

मंत्रालय ने क्या कहा?– कोरोना के बढ़ते मामलों को देखते हुए केंद्र सरकार अस्पतालों की तैयारियों का जायजा लेने के लिए 10 और 11 अप्रैल को राष्ट्रव्यापी मॉक ड्रिल की योजना बना रही है। इसे लेकर केंद्र सरकार ने एडवाइजरी जारी की है। इसमें कहा गया है कि सभी जिलों के सार्वजनिक और निजी दोनों क्षेत्रों की स्वास्थ्य इकाइयां इस मॉकड्रिल में भाग लेंगी। एडवाइजरी में यह भी कहा गया है कि 27 मार्च को होने वाली वर्चुअल मीटिंग में मॉक ड्रिल के सटीक विवरण के बारे में राज्यों को जानकारी दी जाएगी।

सराहनीय कार्य के लिए सिंधू भवन में साबू रीझवानी का होगा सम्मान

संत हिरदाराम नगर। मध्यप्रदेश सिंधू भवन ट्रस्ट भोपाल द्वारा चैतीचांद के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में पूज्य सिंधी पंचायत के अध्यक्ष साबू रीझवानी का विभिन्न क्षेत्रों में किए गए सराहनीय कार्य हेतु 26 मार्च को सम्मान किया जाएगा। रीझवानी को मातृभाषा के उत्थान हेतु अंतरराष्ट्रीय अवार्ड के साथ सिंधुरत्न, लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड, महामहिम राज्यपाल, डॉक्टर भाई महावीर, तत्कालीन मुख्यमंत्री मोतीलाल वोरा तथा मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चैहान आदि के कर कमलों से सम्मान अवार्ड प्राप्त हो चुके हैं अभी हाल ही में अखिल भारतीय सिंधी समाज द्वारा अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस पर भी सामाजिक धार्मिक सांस्कृतिक साहित्य तथा मातृभाषा के सराहनीय कार्य आदि हेतु सम्मान किया गया है।

विधायक कृष्णा गौर ने किया श्रीमद् भागवत कथा स्थल का भूमिपूजन

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

विधायक श्रीमती कृष्णा गौर ने विगत दिवस वार्ड क्रमांक 68 के अंतर्गत अयोध्या बायपास रोड स्थित संतोषी विहार पार्क में 30 मार्च से प्रारंभ हो रही श्रीमद् भागवत कथा के आयोजन हेतु भूमिपूजन किया। सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ परमपूज्य आचार्य श्री नवलेश दीक्षित जी महाराज के मुखारविन्द से 06 अप्रैल को संपन्न होगी। कथा का आयोजन श्री वीरेन्द्र त्रिपाठी द्वारा किया जा रहा है। इस हेतु कलश यात्रा 30 मार्च 2023 दोपहर 02:00 बजे खेड़ापति हनुमान मंदिर श्रवणकांता से प्रारंभ होकर संतोषी विहार पार्क पर संपन्न होगी। भूमिपूजन के अवसर पर आयोजक श्री वीरेन्द्र त्रिपाठी, श्रीमती राजेश्वरी त्रिपाठी, क्षेत्रीय पार्षद श्रीमती उर्मिला मौर्य, श्री भीकम सिंह बघेल, छोटू पंडित, श्री योगी सहित अनेक जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक एवं स्थानीय नागरिकगण मौजूद थे।

हाईमास्ट लाईट का लोकार्पण: विधायक श्रीमती कृष्णा गौर ने विगत दिवस वार्ड क्रमांक 61 के अंतर्गत तीन स्थानों क्रमशः राम मंदिर खजूरी कलां, शिव शक्ति धाम मंदिर ए सेक्टर गोपाल नगर तथा राम मंदिर ए सेक्टर अवधपुरी में हाई मास्ट लाईट का लोकार्पण किया। श्रीमती गौर ने हाईमास्ट लाईट का पूजन किया तत्पश्चात बटन दबाकर लाईट चालू कर लोकार्पित किया। इस अवसर पर क्षेत्रीय पार्षद श्रीमती मधु शिवनानी, पार्षद श्री बी शक्तिराव, पूर्व पार्षद श्री गणेशराम नागर, श्री संजय शिवनानी, श्री किशन बंजारे, श्री अरविंद जैन, श्री रमेश सहित अनेक गणमान्य नागरिक एवं स्थानीय नागरिकगण मौजूद थे।

चिकित्सा शिक्षा मंत्री ने किया सुभाष नगर आरओबी का निरीक्षण

सुभाष नगर आरओबी की थर्ड लेग का होगा निर्माण: सारंग

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

सुभाष नगर आरओबी पर थर्ड लेग का निर्माण कराया जायेगा। थर्ड लेग बन जाने से भेल की ओर से आने वाले वाहनों को प्रभात चौराहे पर न जाकर सीधे मैदा मिल की ओर उतारा जा सकेगा। इससे यात्रियों को लगभग 2 किमी लंबा चक्कर नहीं लगाना पड़ेगा। यह बात चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने सुभाष नगर आरओबी के निरीक्षण के दौरान कही। उन्होंने कहा कि थर्ड लेग सुभाष नगर विश्राम घाट की तरफ से इस ब्रिज से जोड़ी जाएगी। एसडीएम मनोज वर्मा, लोक निर्माण विभाग के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे। मंत्री सारंग ने कहा कि 7 से अधिक फ्लाईओवर की सौगात के साथ नरेला विधानसभा क्षेत्र अब फ्लाईओवर विधानसभा के रूप में जाना जाता है। भोपाल के अन्य क्षेत्रों से नरेला विधानसभा की बेहतर रोड कनेक्टिविटी एवं क्षेत्र की यातायात व्यवस्था को सुव्यवस्थित करने के उद्देश्य से अनेक फ्लाईओवर और आरओबी का निर्माण करवाया गया है।

उन्होंने कहा कि सुभाष नगर आरओबी के निर्माण से प्रतिदिन लगभग 8 लाख लोगों को लाभ मिल रहा है। सुभाष नगर, रचना नगर और गोविंदपुरा की ओर आने-जाने वाले वाहनों को आरओबी से करीब 2 किमी लंबा टर्न लेना पड़ता है। अब थर्ड लेग, सुभाष नगर विश्राम घाट की तरफ से इस ब्रिज से जोड़ी जाएगी। इसके बाद इस तरफ से आने वाले लोगों को आवागमन में आसानी होगी।

अप्रैल में होगा भूमि-पूजन, लगभग 5 माह में बन कर होगा तैयार: मंत्री सारंग ने कहा कि थर्ड लेग के लिए बजट में भी प्रावधान किया जा चुका है। थर्ड लेग के लिये डिजाइन बना कर तैयार की जा रही है। डिजाइन फाइनल होने के बाद अप्रैल माह में इसका भूमि-पूजन किया जायेगा। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्य प्रारंभ होने के लगभग 5 माह के भीतर ही थर्ड लेग यात्रियों के आवागमन के लिये तैयार हो जायेगा।

300 मीटर होगी थर्ड लेग की लंबाई

मंत्री सारंग ने कहा कि पीडब्ल्यूडी द्वारा थर्ड लेग के लिए सर्वे पूर्व में ही किया जा चुका है। इसकी लंबाई लगभग 300 मीटर होगी। लेग के निर्माण के दौरान दुर्घटना को रोकने के लिये आरओबी पर लगभग 50 मीटर लंबा स्पान बनाया जाएगा। साथ ही यहाँ रोटरी का निर्माण भी किया जायेगा।

चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने लाड़ली बहना योजना के फार्म भरने के लिए लगाए गए शिविरों पर पहुंचकर वहा की व्यवस्थाएं देखीं।

स्कूल, कालेजों में मनाया शहीद हेमू कालाणी का 100वां जन्म दिवस

मिठ्ठी गोबिंदराम स्कूल में भगतसिंह, राजगुरू और सुखदेव को दी श्रद्धांजलि

संत हिरदाराम नगर। शहीद हेमू कालाणी एजूकेशनल सोसायटी द्वारा संचालित मिठ्ठी गोबिन्दराम पब्लिक स्कूल, नवनिध हासोमल लखानी पब्लिक स्कूल, केवलराम चैनराय पब्लिक स्कूल, विद्यासागर पब्लिक स्कूल एवं सीएचआई. गर्ल्स हायर सेकंडरी स्कूल, संत हिरदाराम नगर गर्ल्स कालेज की ओर से संयुक्त रूप से शहीद हेमू कालाणी का 100वां जन-?म दिवस मनाया गया एवं इसी अवसर पर स्वतंत्रता संग्राम सेनानी शहीद भगतसिंह, शिवराम राजगुरू और सुखदेव थापर को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर सोसायटी के प्रशासनिक अधिकारी भगवान बाबाणी ने बताया कि हेमू कालाणी, शहीद भगत सिंह से बहुत अधिक प्रभावित थे और उनकी शहादत इतिहास में एक महत्वपूर्ण अध्याय के रूप में शामिल है। संसद भवन में शहीद हेमू कालाणी की प्रतिमा की स्थापना भारत सरकार द्वारा की गई है। संत सिद्ध भाऊ ने अपने सम्प्रेषित संदेश में कहा कि भगतसिंह, राजगुरु, सुखदेव भारत मां के वे सच्चे सपूत थे और सन् 1923 में उनकी शहादत की तिथि 23 मार्च पर ही शहीद हेमूं कालानी का जन्म हुआ जिन्होंने अपने प्रेरणा स्त्रोत शहीद भगतसिंह के पद-चिन्हों पर चलते हुए देशभक्ति और देशप्रेम को अपने प्राणों से भी अधिक महत्व दिया और मातृभूमि की स्वतंत्रता के लिए अपने प्राण न्योछावर कर गए। मैं अपने देश के लिए कुर्बान हुए शहीदों को नमन करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि देता हूं। इस कार्यक्रम में हीरो ज्ञानचदांनी, ए.सी. साधवानी, के. एल. रामनानी सहित कई उपस्थित थे।

लाड़ली बहना योजना के शिविरों में शामिल हुए मंत्री सखलेचा

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

सूक्ष्म लघु और मध्यम उद्यम एवं विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री ओमप्रकाश सखलेचा ने शनिवार को मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना के शिविर शुभारंभ अवसर पर जावद विधानसभा क्षेत्र की नगर परिषद अठाना, जावद, सरवानिया महाराज एवं नयागांव मे सहभागिता की। मंत्री सखलेचा ने बहनों से संवाद कर योजना से संबंधित फॉर्म भरने हेतु बनाए गए केंद्रों का निरीक्षण किया साथ ही बहनों के आवेदन सफलता पूर्वक पोर्टल पर दर्ज हो, इसके लिए अधिकारियों को जरूरी निर्देश दिए इस दौरान बहनों ने मंत्री सखलेचा को राखी भी बांधी और मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान एवं प्रदेश सरकार का आभार जताया।

शिविर में मंत्री सखलेचा ने कहा कि यह सिर्फ लाड़ली बहना योजना का शुभारंभ नहीं, यह मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा एक ऐसे जनअभियान की शुरुआत है जिसका लक्ष्य आपके साथ-साथ पूरे मध्यप्रदेश की बहनों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना है। मंत्री सखलेचा ने कहा कि हर पात्र बहन को लाड़ली बहना योजना का लाभ दिलाने हेतु हम प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहे हैं।फॉर्म भरने में किसी तरह की त्रुटि न हो यह सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने ऐसी व्यवस्था बनाई है जिसके माध्यम से हर महिला का ई-केवाईसी भी गांव गांव में कैंप के माध्यम से किया जाएगा और उसका खर्च भी सरकार उठाएगी।

कोविड-19 और इनफ्लुएंजा पर एडवाइजरी जारी, बचाव के लिये आवश्यक सावधानियां रखें

भोपाल। केन्द्र सरकार की 10 मार्च और 16 मार्च को जारी गाइडलाइन के तारतम्य में राज्य सरकार ने कोविड-19 और इनफ्लुएंजा से बचाव के लिये संयुक्त एडवाइजरी जारी की है। प्रदेश के स्वास्थ्य विभाग की एडवाइजरी के अनुसार देश में मध्य फरवरी के बाद से, कोविड-19 के मामलों में निरंतर वृद्धि देखी जा रही है। देश के कुछ राज्यों में सक्रिय कोविड-19 के मामले रिपोर्ट किए जा रहे हैं। केरल में 26.4 प्रतिशत, महाराष्ट्र में 21.7, गुजरात में 13.9, कर्नाटक में 8.6 और तमिलनाडु में 6.3 प्रतिशत मामले रिपोर्ट किये गये। इसको ध्यान में रखते हुए केन्द्र सरकार द्वारा सभी राज्यों को आईएलआई/एसएआरआई केसेस की मॉनिटरिंग किये जाने के संबंध में निर्देश जारी किये गये हैं।

इनफ्लुएंजा एवं कोविड-19 के लक्षण लगभग समान है। अत- कोविड अनुरूप व्यवहार का पालन करने की सलाह दी गई है। इन रोगों के संचरण को सीमित करने के लिए, विशेष रूप से श्वसन और हाथ की स्वच्छता के पालन के बारे में सामुदायिक जागरूकता बढ़ाना महत्वपूर्ण है। इसमें विशेष रूप से सह-रुग्ण व्यक्तियों और बुजुर्गों को भीड़भाड़ और बंद स्थानों से बचना है। स्वास्थ्य की देखभाल करने वाले चिकित्सकों, पैरामेडिकल स्टाफ एवं अन्य स्वास्थ्य कर्मियों के साथ रोगियों और उनके परिचारकों को मास्क पहनना है।

भीड़भाड़ वाली और बंद जगहों पर मास्क पहनना, छींकते या खाँसते समय नाक और मुँह को ढँकने के लिए रूमाल/टिश्यू का इस्तेमाल करना है। हाथों की स्वच्छता बनाए रखना/हाथों को बार-बार धोना है। सार्वजनिक स्थानों पर थूकने से परहेज करना है। जाँच को बढ़ावा देना और लक्षणों की जल्द जानकारी देना है। साँस की बीमारियों से पीड़ित होने पर व्यक्तिगत संपर्क को सीमित करना है।

हाई होप्स को-एड कान्वेंट स्कूल में ग्रेजुएशन सेरेमनी संपन्न

भोपाल। हाई होप्स को-एड कान्वेंट स्कूल में किंडरगार्टन छात्रों की ग्रेजुएशन सेरेमनी करवाई गई। संस्था के चेयरमैन मशकूर खान के दिशा-निर्देशों के अधीन हुए इस समागम की शुरूआत मुख्य मेहमान संस्था के प्रेसिडेंट और प्रिसिपल फातमा खान ने ज्योति प्रज्वलित कर की। सरस्वती वंदना के बाद मुख्य मेहमानों ने प्री-विग को छोड़ प्राइमरी विग में प्रवेश कर रहे केजी दो के विद्यार्थियों को कन्वोकेशन ड्रेस में डिग्री देकर सम्मानित किया। इस दौरान केजी के विद्यार्थियों ने वेलकम डांस भी किया। मुख्य मेहमानों और प्रिसिपल फातमा खान ने विद्यार्थियों को उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं देते हुए डिग्री दी। सभी अभिभावकों को संबोधित करते हुए स्कूल की प्रिसीपल ने कहा कि यह ग्रेजुएशन सेरेमनी विद्यार्थियों के हौसलों को बुलंद करने उन्हें अगले पड़ाव में प्रवेश करने का अहसास करवाने के मकसद से करवाई गई है। इस तरह के समागम से बच्चों में आत्मविश्वास पैदा होता है जो उन्हें जिंदगी में आगे बढ़ने तथा सफलता की बुलंदियां छूने में मदद करता है। इस मौके पर आशीष मिश्रा, अरविन्द सेन बुशरा खान ,सबरीन , शहनाज़ महजबी, शिरीन आदि मौजूद थे।

समाधान शिविरों एवं लाड़ली बहना ई-केवाईसी केन्द्रों का किया निरीक्षण

निगम आयुक्त ने निर्धारित लक्ष्य की पूर्ति हेतु प्रभावी ढंग से राजस्व वसूली करने दिये निर्देश

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

नगर निगम भोपाल व्दारा संपत्तिकर सहित अन्य करों/शुल्कों की वसूली का कार्य तीव्र गति से किया जा रहा है साथ ही करों की अदायगी न करने वालों के विरूद्ध तालाबंदी, कुर्की, असेधन/नीलामी आदि की कार्यवाही भी की जा रही है। इसी तारतम्य में निगम आयुक्त के.वी.एस. चौधरी ने शनिवार को प्रातः एवं सायंकाल वार्ड क्रमांक 80, 82, 33, 85, 62, 55, 49 आदि में आयोजित राजस्व वसूली सह समाधान शिविरों तथा दामखेड़ा बी सेक्टर आंगनबाड़ी केन्द्र, भीमनगर दीनदयाल वाचनालय सहित अन्य क्षेत्रों में मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना के शिविरों का भी अवलोकन किया। निगम आयुक्त ने निर्देशित किया कि बकायाकरों के साथ ही वर्तमान वर्ष की करों की वसूली प्रभावी ढंग से करें और बकायादारों के विरूद्ध कार्यवाही करने, करदाताओं से संपर्क कर करों की अदायगी हेतु प्रेरित करने के निर्देश दिये। निगम आयुक्त चौधरी ने मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना अंतर्गत समग्र ई-केवाईसी कार्य हेतु आयोजित शिविरों का भी जायजा लिया। शिविरों में ई-केवाईसी के साथ ही मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना के फार्म भरने का कार्य भी आज से प्रारंभ हुआ। निरीक्षण के दौरान अपर आयुक्त संदीप केरकेट्टा एवं संबंधित जोनल अधिकारी, वार्ड प्रभारी व निगम के अन्य अधिकारी तथा कर्मचारी मौजूद थे।

निगम आयुक्त के.वी.एस. चौधरी ने शनिवार को कोलार क्षेत्र अंतर्गत जोन क्रमांक 18 के वार्ड क्रमांक 80 एवं 82, जोन क्रमांक 07 के भीम नगर वार्ड क्रमांक 33, जोन क्रमांक 19 के वार्ड क्रमांक 85 ग्राम छान, जोन क्रमांक 13 के वार्ड क्रमांक 55 आम्रपाली मार्केट लहारपुर बागमुगालिया एक्सटेंशन, जोन क्रमांक 15 के वार्ड क्रमांक 62 आनंद नगर तथा जोन क्रमांक 10 के वार्ड क्रमांक 49 ई-6 अरेरा कालोनी 12नंबर स्टॉप में पहुंचे और जोनल अधिकारी व वार्ड के कर्मचारियों से वर्तमान एवं पूर्व के बकायादारों के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी प्राप्त की। निगम आयुक्त के.वी.एस. चौधरी ने राजस्व अमले को निर्देशित किया कि निर्धारित लक्ष्यों के अनुरूप शत प्रतिशत वसूली सुनिश्चित करने हेतु राजस्व वसूली संबंधी कार्यवाही को और अधिक प्रभावी ढंग से करने तथा करदाताओं से सतत रूप से संपर्क स्थापित कर करों की अदायगी हेतु प्रेरित करने तथा करों की अदायगी न करने वालों के नोटिस घर-घर जाकर तामील कराने अथवा नोटिस चस्पा करने तथा शासकीय विभागों की संपत्तियों से सेवा प्रभार वसूलने, बड़े बकायादारों से वसूली हेतु सतत संपर्क करने के निर्देश दिए। निगम आयुक्त चौधरी ने बार-बार नोटिस देने के बाद भी करों की अदायगी न करने वाले व्यापारियों के विरूद्ध सख्त कार्यवाही करते हुए उनकी संपत्ति सील करने, जल उपभोक्ता प्रभार की अदायगी न करने वालों के नल कनेक्शन विच्छेद करने के निर्देश दिए। निगम आयुक्त चौधरी ने निर्देशित किया कि करदाताओं को 31 मार्च 2023 तक करों की अदायगी न करने पर अधिभार लगने, स्वयं के उपयोग वाली संपत्तियों पर दी जाने वाली 50 प्रतिशत की छूट समाप्त होने तथा संपत्तियों की कुर्की/नीलामी की कार्यवाही संबंधी जानकारी देकर करों की अदायगी हेतु प्रेरित करें। निगम आयुक्त चौधरी ने मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना के अंतर्गत आयोजित शिविरों का निरीक्षण किया और शिविरों में आई बहनों से चर्चा भी की। शिविरों में ई-केवाईसी कार्य के साथ ही मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना के फार्म भरने का कार्य भी आज से प्रारंभ हुआ। मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना के लाभ से कोई भी पात्र बहन वंचित न रहे इसके लिए अभियान के रूप में विभिन्न माध्यमों से योजना की जानकारी भी दी जा रही है। निगम आयुक्त चौधरी के निर्देश पर योजना के क्रियान्वयन के लिए निगम के अतिरिक्त कर्मचारियों को भी शिविरों में तैनात किया गया है।

मुख्यमंत्री ने पीपल, अमरूद और जामुन के पौधे लगाए

भोपाल। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने श्यामला हिल्स स्थित उद्यान में पीपल, अमरूद और जामुन के पौधे रोपे। स्वर्ण क्रांति मालवी कल्याण समिति भोपाल के ऑर्गेनाइजर पी.एल. सोनी और सर्वप्रमोद सोनी, लच्छीराम सोनी, राजेश सोनी, बाबूलाल सोनी, अनिल सोनी, सुरेंद्र सोनी, लखन लाल सोनी, सुस्वाति सोनी, नेहा सोनी तथा बालिका वर्णिका सोनी पौध-रोपण में शामिल हुए। मुख्यमंत्री चौहान के साथ टेलीविजन चैनल खबर मध्यप्रदेश के सर्वसनातन दगदी, विमल, दीपक, इमरान खान और उमेश यादव ने भी पौधे लगाए। टेलीविजन चैनल न्यूज़ स्टेट एमपी-सीजी के अभय शर्मा तथा जितेंद्र शर्मा ने चैनल के 5 वर्ष पूर्ण होने पर पौध-रोपण किया। भोपाल नगर निगम के वार्ड 65 की पार्षद श्रीमती शिरोमणी शर्मा ने पति विनोद शर्मा के जन्म-दिवस पर पौधे लगाए। श्रीमती रूकमणी भार्गव, कुमारी अदिति शर्मा, कुमारी काव्या भार्गव, सुनित्या शर्मा तथा सुअनिका भार्गव साथ थी।

इस वर्ष भी भव्य आयोजन

भोपाल। धार्मिक यात्रा सेवा समिति जैन मंदिर रोड मंगलवारा मित्र मंडल के अध्यक्ष आशीष यादव ने बताया हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी नवरात्रि पर भव्य आयोजन रखा गया है जिसमें अष्ट धातु के रूप में माताजी विराजमान की गई है हमारी समिति का संदेश है कि पर्यावरण मुक्त इको फ्रेंडली माताजी और हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी वैष्णो देवी की यात्रा श्रद्धालुओं को

समय सीमा में संजीवनी क्लीनिक नहीं बनाने पर होगी कार्रवाई

प्रमुख सचिव नगरीय विकास ने की विभागीय योजनाओं की समीक्षा

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

प्रमुख सचिव नगरीय विकास एवं आवास नीरज मंडलोई ने कहा है कि सभी नगरीय निकाय समय-सीमा में संजीवनी क्लीनिक के निर्माण कार्यों को पूरा करें। समय-सीमा में कार्य पूरा नहीं करने पर जिम्मेदारों के विरुद्ध कार्यवाही की जाएगी। श्री मंडलोई ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से विभागीय योजनाओं की समीक्षा की। प्रमुख सचिव ने प्रधानमंत्री आवास योजना ,मुख्यमंत्री संजीवनी क्लीनिक ,मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना, नगरीय सड़कों का काया-कल्प अभियान, स्वच्छ भारत मिशन 2023 और अन्य महत्वपूर्ण योजनाओं की प्रगति की बिंदुवार समीक्षा की। उन्होंने नोडल अधिकारियों को आवश्यक निर्देश भी दिये।बैठक में निर्देश दिए गए कि अनाधिकृत कालोनियों को वैध किए जाने के लिए दी गई प्रक्रिया के आधार पर चिन्हित की जाए और मापदंडों के आधार पर इनका प्रकाशन कर शेष कार्यवाही सुनिश्चित किया जाए।

अनुमति से अधिक निर्माण किए जाने के प्रकरणों को भी बारीकी से देखें और प्रशमन शुल्क अवश्य लगाएँ। निकायों में राजस्व वसूली जैसे विषयों पर भी व्यापक चर्चा की गई। 15वें वित्त आयोग के मापदंडों के अनुरूप वसूली करने के निर्देश दिए गए। प्रमुख सचिव श्री मंडलोई ने कायाकल्प योजना के संबंध में निर्देशित किया कि कार्य की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया जाए। निर्माण एजेंसियों को लगातार निर्देशित करें कि गुणवत्ता में किसी भी प्रकार की खामियाँ बर्दाश्त नहीं की जाएगी। निर्माण एजेंसियों को भुगतान समय -सीमा में करें। मुख्य मार्गों के अलावा किसी कॉलोनी की महत्वपूर्ण सड़क को कायाकल्प योजना में जोड़ा जाना है, तो उसका प्रस्ताव शीघ्र ही मुख्यालय को भेजें। आगामी गर्मियों के लिए प्रदेश स्तर पर विभाग द्वारा की जा रही पेयजल संबंधी व्यवस्थाओं की अधतन स्थिति पर भी अधिकारियों द्वारा जानकारी दी गई। आयुक्त नगरीय प्रशासन एवं विकास भरत यादव ने कहा कि योजनाओं के क्रियान्वयन में आने वाली समस्याओं का तत्काल समाधान होना चाहिए। पूरी पारदर्शिता के साथ योजनाओं के क्रियान्वयन में गति लाना ही हमारी प्राथमिकता है।

लाड़ली बहना योजना के लिए सभी निकायों में आयोजित किए गए कैंप में पोर्टल और ऐप में आने वाली तकनीकी खामियों को शीघ्र दूर किया जाएगा। तब तक हितग्राहियों को टोकन जारी करें। साथ ही उनके फार्म ऑफ लाइन जमा करके रखें। ई-केवाईसी के लिए उन्हें दोबारा बुला कर आवेदन प्रक्रिया पूर्ण करने के लिए निर्देशित किया गया। अपर आयुक्त रुचिका चौहान, सत्येंद्र सिंह एवं अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

कमजोर पड़ा ओले-बारिश की संभावना का सिस्टम, कल से दो दिन तेज गर्मी

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मध्यप्रदेश में बारिश और ओले के सिस्टम की एक्टिविटी कमजोर पड़ गई है। इस कारण रविवार को जबलपुर, सिवनी, मंडला, बालाघाट और शहडोल में कहीं-कहीं बूंदाबांदी हो सकती है। भोपाल, इंदौर और उज्जैन में बादल छाए रहेंगे। पहले इन जगह ओलावृष्टि की संभावना थी। अप्रैल के पहले सप्ताह फिर से पश्चिमी विक्षोभ की एक्टिविटी बढ़ सकती है। मौसम वैज्ञानिक एचएस पांडे ने बताया कि पश्चिमी विक्षोभ कमजोर हो गया है। भोपाल, इंदौर और उज्जैन में बादल छाए जाएंगे। ग्वालियर-चंबल में स्ट्रॉन्ग दिख रहा था, लेकिन यहां भी कमजोर पड़ गया है। रविवार को जबलपुर समेत सिवनी, मंडला, बालाघाट, शहडोल में कहीं-कहीं बूंदाबांदी हो सकती है। 1 अप्रैल से नया सिस्टम बन रहा है, लेकिन कितना स्ट्रॉन्ग होगा, यह आने वाले दिनों में पता चलेगा। हालांकि, इस बीच तापमान में ज्यादा बढ़ोतरी नहीं होगी। राजस्थान के ऊपर चक्रवात बनने और श्रीलंका से नॉर्थ मध्यप्रदेश की तरफ ट्रफ लाइन आने के कारण 24 मार्च से मौसम बदल गया। मुरैना, जबलपुर और सागर में पहले दिन बूंदाबांदी हुई। वहीं, ग्वालियर-अनूपपुर में बौंछारें गिरीं। 26 मार्च को भोपाल संभाग के जिलों और नर्मदापुरम में ओलावृष्टि के आसार थे। आकाशीय बिजली भी गिरने की संभावना रही। रीवा, सागर, चंबल संभाग के साथ ग्वालियर-दतिया में तेज आंधी के साथ बारिश होने की संभावना बताई गई थी। शहडोल-जबलपुर संभाग में ओलावृष्टि के साथ तेज आंधी चलने के आसार थे। इन जिलों में मौसम तो बदला रहेगा, लेकिन तेज आंधी और ओलावृष्टि की संभावना कम ही है। भोपाल में रविवार को बादल छाए रहेंगे, लेकिन 27 और 28 मार्च को तेज गर्मी पड़ने के आसार है।

मुगालिया छाप में लगा यूनानी चिकित्सा शिविर

भोपाल। भोपाल जिले के मुगालिया छाप में गुरूवार को यूनानी चिकित्सा पद्धति पर शिविर लगाया गया। शिविर में ग्रामीणों की डायबिटीज और ब्लड-प्रेशर की निःशुल्क जाँचें की गईं। शिविर में 371 से अधिक ग्रामीणों को स्वास्थ्य परामर्श दिया जाकर यूनानी दवाइयाँ उपलब्ध कराई गईं। शिविर का आयोजन भोपाल के शासकीय हमीम सै. जियाउल हसन यूनानी महाविद्यालय द्वारा किया गया था। यूनानी महाविद्यालय में मुगालिया छाप को आयुष ग्राम के रूप में गोद लिया है। शिविर का विषय आयुष-स्वस्थ नारी, सशक्त नारी%% रखा गया था। यूनानी चिकित्सा महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. महमूदा बेगम ने ग्रामीणों को बताया कि स्वस्थ नारी से समाज सशक्त हो सकेगा। इस वजह से इस पर ध्यान दिये जाने की आवश्यकता है। उन्होंने ग्रामीणों को पोषक आहार के रूप में गुड़, मोटा अनाज एवं हरी सब्जियों के फायदे बताये। शिविर में सरपंच श्रीमती मनीषा घनश्याम पाटीदार, सर्वश्री राजेश मारण और खेमचंद पटेल ने भी स्वास्थ्य के महत्व पर अपने विचार रखे। शिविर में देवारण्य योजना के बारे में जानकारी दी गई और ग्रामीणों को औषधीय पौधों का वितरण भी किया गया। ग्रामीणों को आयुष विभाग के आयुष क्योर एप के बारे में बताया गया।

हीरे के बाद अब आंवला बना पन्ना की नई पहचान

भोपाल। पन्ना जिले में एक जिला-एक उत्पाद योजना ने आँवला को नई पहचान दी है। आँवला का उपयोग आयुष औषधि में मुख्य रूप से किया जाता है। पन्ना के जंगलों में आँवले के वृक्ष मुख्य रूप से पाये जाते हैं। यहाँ का आँवला रेशा रहित होने से अत्यंत लाभकारी है। आँवला विटामिन-सी का समृद्ध स्त्रोत है। आयुष विभाग की देवारण्य योजना में आँवला के संग्रहण और प्रोसेसिंग के लिये प्रभावी प्रयास किये जा रहे हैं। इसके लिये जिला स्तर पर विभिन्न विभागों सं समन्वय के लिये जिला स्तरीय समिति भी गठित की गई है। किसानों को आँवले की खेती के लिये प्रोत्साहित किया जा रहा है। जिला स्तर पर वन, उद्यानिकी, पंचायत एवं ग्रामीण विकास और जनजातीय कार्य विभाग मिल कर कार्य कर रहे

12 हजार से अधिक परीक्षा केन्द्रों पर उत्साह से पहुंचे 24 लाख विद्यार्थी

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

5वीं, 8वीं कक्षाओं की बोर्ड पैटर्न परीक्षा के पहले दिन प्रदेश भर के कोई 12 हजार से अधिक परीक्षा केन्द्रों पर कक्षा 5 की भाषा विषय ओर कक्षा 8 के विज्ञान विषयों की परीक्षा सफलता पूर्वक सम्पन्न हुई। संपूण प्रदेश में कहीं से भी किसी प्रकार के अप्रिय प्रसंग की कोई भी रिर्पोट नही है। उल्लेखनीय है कि, इस वर्ष से शासकीय शालाओं के साथ ही निजी स्कूलों और मदरसों के विद्यार्थी भी बोर्ड पैटर्न परीक्षा में सम्मिलित हो रहे हैं। विगत वर्ष राज्य शिक्षा केन्द्र के द्वारा मात्र शासकीय विद्यालयों के कक्षा 5 और 8 के विद्यार्थियों हेतु बोर्ड पैटर्न परीक्षा का आयोजन किया था।

इस वर्ष 1 लाख 13 हजार 4 सौ 22 शासकीय, निजी शालाओं और मदरसों के लगभग 24 लाख 73 हजार बच्चे, इन परीक्षाओं में सम्मिलित हो रहे हैं। जिनमें से 427 निजी स्कूलों के 18 हजार 3 सौ 20 बच्चों के लिए एनसीईआरटी पाठ्यक्रम के अनुसार पृथक से भाषा विषय के प्रश्न पत्र तैयार किए गए हैं। परीक्षा के पहले दिन सहभागी विद्यार्थी अपने अपने स्कूलों में एकत्रित होकर अपने शिक्षकों और अभिभावकों के साथ निर्धारित परीक्षा केन्द्रो तक पहुॅचे। इस दौरान बच्चों में परीक्षा को लेकर दिखाई दे रहा उत्साह परीक्षा के पश्चात और अधिक बडा हुआ नजर आया। परीक्षा देकर बाहर निकले परीक्षार्थियों में से अनेकों ने खुशी खुशी कहा कि आज का पेपर बहुत सरल था और हमें इस परीक्षा से एक नया आत्मविश्वास प्राप्त हुआ है परीक्षाओं के सुचारू संचालन के लिए राज्य शिक्षा केन्द्र व्दारा पृथक से एक आई.टी. पोर्टल तैयार किया गया है। जिसके माध्यम से परीक्षा की संपूर्ण संचालन व्यवस्थाएं ऑनलाइन की गई हैं। इसी पोर्टल के माध्यम से विद्यार्थियों का सत्यापन, परीक्षा केन्द्रों का निर्धारण, केन्द्राध्यक्षों की मेंपिंग, सामग्री वितरण आदि कार्यो के संपादन के साथ ही परीक्षार्थियों के रोल नंबंर और प्रवेश पत्र जारी करने की सुविधा भी प्रदान की गई है। इसी पोर्टल के माध्यम से विद्यार्थियों की परीक्षा में उपस्थिति भी दर्ज की जा रही है। परीक्षा उपरांत होने वाले मूल्यांकन कार्यों और अंक सूची प्रदान करने की सुविधा भी इसी पोर्टल के द्वारा प्रदान की जायेगी। उल्लेखनीय है कि निर्धारित समय सारिणी के अनुसार कक्षा पॉंचवी और आठवीं की बोर्ड पैटर्न परीक्षाएं 25 मार्च से प्रारंभ होकर 3 अप्रेल 2023 तक संपादित होगी।

सुबह 9 से साढे 11 बजे तक आयोजित परीक्षाओं के बाद दोपहर डेढ़ बजे राज्य शिक्षा केन्द्र संचालक श्री धनराजू एस ने मैदानी अधिकारियों के साथ वर्चुअल समीक्षा बैठक आयोजित कर प्रथम दिवस परीक्षा के निर्विघ्न सम्पन्न होने पर संतोष व्यक्त किया और सभी सहयोगियों को उनकी कर्तव्य परायणता के लिए साधुवाद दिए। इस वर्चुअल बैठक में जिला अधिकारी गण ने आगामी परीक्षा दिवसों को लेकर अपनी तैयारियों से अवगत कराया साथ ही राज्य स्तर से आवश्यक मार्गदर्शन भी प्रदान किया गया। बैठक में सभी जिलों के प्राचार्य डाइट, डीपीसी, एपीसी एकेडमिक और मैदानी अधिकारी सहयोगी उपस्थित थे।

एक्सपो-2023: दूसरे दिन विषय-विशेषज्ञों ने जानकारियां साझा की

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

अन्तर्राष्ट्रीय खाद्य प्र-संस्करण ओ.डी.ओ.पी. एक्सपो-2023 के दूसरे दिन विषय-विशेषज्ञों ने विभिन्न जानकारियां साझा की। एक्स-पो में खाद्य प्र-संस्करण से संबंधित मशीनरी, सिंचाई यंत्र, ड्रोन टेक्नालॉजी एवं खाद्य प्र-संस्कृत उत्पादों का प्रदर्शन किया गया।

संचालक उद्यानिकी सुनिधि निवेदिता ने उद्यानिकी विभाग में संचालित पी.एम.एफ.एम.ई. योजना और एस.एच.डी.ओ. डी.एन. धोटे ने उद्यानिकी एवं खाद्य प्र-संस्करण विभाग की विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी। राजीव अठोत्रा ने एम.आई.एस. पोर्टल एवं एप्लीकेशन प्रोसेस, यूनियन बैंक के एजीएम इस्तियाक अरशद ने लोन प्रक्रिया और विनोद श्रीवास्तव ने मशालों के निर्यात की संभावनाओं का उल्लेख किया। स्टेट बैंक ऑफ इन्डिया के प्रबंधक (कृषि) अमित मिश्रा ने खाद्य प्र-संस्करण उद्योगों पर ऋण लिये जाने की प्रक्रिया का विवरण दिया।एम.डी. मिल्क फेडरेशन तरूण राठी ने दूध से बनने वाले प्र-संस्कृत उत्पाद, पेक्ड दूध से जुडे रोजगार, संचालक सी.आई.ए.ई. सी.आर. मेहता ने खाद्य प्र-संस्करण में उपयोग में आने वाली मशीनों और केन्द्रीय कृषि अभियांत्रिकी संस्थान में खाद्य प्र-संस्करण में उपयोग में आने वाली मशीनों पर चल रहे शोध की जानकारी साझा की। इण्डस्ट्री एक्सपर्ट (सिंगापुर) मनीष त्रिपाठी ने फूड सिक्योरिटी एवं एशिया में फूड सिक्योरिटी क्षेत्र में भारत एवं मध्यप्रदेश की संभावनाओं पर प्रकाश डाला। सी.ए. श्रीमती मेधावी कौशिक ने एफ.एस.एस.ए.आई. लाईसेंस और जी.एस.टी. रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया, नाफेड के प्रतिनिधि विक्रांत चंदेल ने खाद्य पदार्थों की ब्रांडिंग, पेकेजिंग और मार्केट लिंकेज, सी.आई.ए.ई. डॉ. एस.पी. सिंह ने खाद्य प्र-संस्करण में उपयोग में आने वाली मशीनों और विभिन्न खाद्य पदार्थों की प्रोसेसिंग की विधि के संबंध में जानकारी दी।

समाज एवं देशहित के लिए व्यापक सोच के साथ आगे बढ़ना जरूरी: राज्यपाल

इंदौर में देवी अहिल्या विश्वविद्यालय का दीक्षांत समारोह हुआ

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा है कि युवा करियर निर्माण के साथ व्यापक सोच लेकर आगे बढ़े। वे अपने करियर के साथ समाज का करियर भी बनाएं। अपनी शिक्षा का उपयोग स्वयं की उन्नति के साथ समाज एवं देश की उन्नति के लिए भी करें। राज्यपाल पटेल ने कहा कि युवाओं की सोच का दायरा और जिम्मेदारी करियर से कहीं अधिक व्यापक होनी चाहिए, क्योंकि बेहतर इंसान बनना ही शिक्षा का प्रमुख उद्देश्य है। राज्यपाल ने कहा कि जीवन में बड़ा बनना अच्छी बात है, लेकिन अच्छा होना और भी बड़ी बात है। राज्यपाल पटेल आज इंदौर में देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह को सम्बोधित कर रहे थे। राज्यपाल पटेल ने कहा कि विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में शामिल होकर प्रसन्नता का अनुभव हो रहा हैं। यह दीक्षांत समारोह विद्यार्थी, शिक्षक और परिवारजन सभी के लिए खुशी का अवसर है। यह हमारे लिये अत्यन्त गौरव का विषय है कि इस विश्वविद्यालय का नाम लोकमाता देवी अहिल्या बाई होल्कर के नाम पर है, जिन्होंने लोक-कल्याण के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर देवत्व प्राप्त किया है। मैं उनका स्मरण कर नमन करता हूँ। राज्यपाल ने उपाधि, स्वर्ण और रजत पदक प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों को बधाई दी और विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना भी की।

राज्यपाल पटेल ने कहा कि शोध, उपाधि एवं पदक प्राप्त करने वालों में बालिकाओं की संख्या बालकों से अधिक होना प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में विकसित और समावेशी न्यू इंडिया की झलक है। यह सभी के लिए खुशी और गर्व का विषय है। प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति में विद्यार्थियों को बंधन मुक्त शिक्षा का अवसर दे कर हौसलों के साथ सफलता की अनन्त ऊँचाइयों को छूने का मौका दिया है। राज्यपाल ने कहा कि विद्यार्थी नए भारत और नए विश्व के निर्माण के लिए बड़े सपने देखे। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय, विश्व समुदाय की वर्तमान की समस्याओं और भविष्य की चुनौतियों के समाधान के चिंतन का केन्द्र बनें। उन्होंने कहा कि विकास और सभ्यता की आज की उपभोक्तावादी अवधारणा के कारण प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन तथा जीवन-शैली जनित रोगों की चुनौतियाँ और अधिक विकराल रूप ले रही हैं। मानव समाज के समक्ष युद्ध, अशांति, आतंकवाद, महिलाओं की असुरक्षा तथा असमानता जैसी अनेक समस्या, चुनौतियों के लिए विद्यार्थी और शिक्षकों को सचेत एवं सक्रिय रह कर समाधान प्रस्तुत करना चाहिए। राज्यपाल पटेल ने कहा कि हमारा देश नए और गहरे विचारों को अपनाने वाला देश है, जहाँ प्राचीनतम वेद और उपनिषद, भगवान महावीर और बुद्ध के विचार आज भी जीवंत हैं। इसीलिए आज भी पूरे विश्व में सिलिकॉन वैली से सिडनी तक और आधुनिक कार्य-क्षेत्रों में भी भारतीय लोगों ने सम्मानित स्थान बनाया है। युवा विभिन्न भाषाओं और संस्कृतियों का आदर और स्वागत करें, लेकिन अपनी जड़ों से हमेशा जुड़े रहें। क्योंकि, अपनी जड़ों से जुड़े रहना भविष्य की संजीवनी है, इससे सृजनशीलता मिलती है।

अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद के चेयरमेन टी.जी. सीताराम ने कहा कि आज के युग में अनुसंधान एवं अन्वेषण अत्यंत जरूरी है और इस दिशा में देश के विश्वविद्यालय विशेष ध्यान दे रहे हैं। उन्होंने युवाओं का आहवान किया कि अपनी शिक्षा में अनुसंधान और अन्वेषण पर विशेष ध्यान दें। उन्होंने कहा कि देश के प्रतिष्ठित देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में शामिल होकर बहुत खुशी हो रही है। यह विश्वविद्यालय अकादमिक क्षेत्र में नित्य नई उपलब्धियाँ हासिल कर रहा है। सांसद शंकर लालवानी ने कहा कि आने वाले समय में भारत पुनः विश्व-गुरु का दर्जा हासिल करेगा। भारत को पुनः विश्व-गुरु बनाने में युवाओं की अहम भूमिका रहेगी। देवी अहिल्या विश्वविद्यालय की कुलपति श्रीमती रेनू जैन ने स्वागत उद्बोधन दिया। उन्होंने विश्वविद्यालय की उपलब्धियों की जानकारी भी दी। कुलसचिव अजय वर्मा ने संचालन किया।

स म्पा द की य

राहुल को बोलने की सद्बुद्धि दे भगवान!

ललित गर्ग

युगीन भारतीय राजनीतिक मनोरचना में शालीनता एवं शिष्टता के स्थान पर स्वच्छन्दता, अशालीन एवं अभद्र भाषा के व्यवहार का अधिक सक्रियता से प्रचलन चिन्ताजनक है। ऐसी स्थिति में शीर्ष राजनेता राजनीतिक शिष्टता एवं लोकतांत्रिक मर्यादा में अपना योगदान कैसे दे सकते हैं? यह प्रश्न समूचे विपक्ष के साथ कांग्रेस के राहुल गांधी को लेकर व्यापक चर्चा में हैं। किसी को कुछ भी कह देना और यहां तक अपमानजनक शब्दों का प्रयोग करना गैर जिम्मेदाराना हरकत ही नहीं स्वयं को अति विशिष्ट समझने की अहंकारी मानसिकता भी है, जो एक बड़ी राजनीतिक विसंगति बनती जा रही है। सार्वजनिक जीवन में ऐसी सामंती मानसिकता के लिए कोई स्थान नहीं हो सकता। इसीलिये सूरत की एक अदालत की ओर से आपराधिक मानहानि के एक मामले में राहुल गांधी को दो साल की सजा सुनाए जाने के बाद उनकी संसद सदस्यता भी चली गयी है। यह एक बड़ी राजनीतिक घटना है, इस तरह की सजा सुनाया जाना राजनीति के अहंकार को पाले लोगों के लिये एक सबक है, एक सन्देश है। यह विचित्र है कि कांग्रेसजन राहुल गांधी का बचाव करते हुए न्यायिक प्रक्रिया पर प्रश्न खड़े कर रहे हैं। इससे कुछ हासिल होने वाला नहीं है।

भारतीय राजनीति में सभी स्तरों पर आदर्शहीनता, मूल्यहीनता व अभद्र वचनों की वाचाल आंधी चल रही है, जो नई कोपलों के साथ पुराने वट-वृक्षों को भी उखाड़ रही है। मूल्यों के बिखराव के इस चक्रवाती दौर में भारतीय राजनीति में उथल-पुथल मची हुई है। अब नायक नहीं बनते, खलनायक सम्मोहन पैदा कर रहे हैं। पर्दे के पीछे शतरंजी चाल चलने वाले मंच का संचालन कर रहे हैं। कइयों ने तो यह नीति अपना रखी है कि गलत करो और गलत कहो, तो हमें सब सुनेंगे। हम खबरों में रहेंगे। बदनाम हुए तो क्या हुआ, नाम तो हुआ। अब शब्दों की लीपा-पोती एवं गलत बयानबाजी की होशियारी से सर्वानुमति बनाने का प्रयास नहीं होना चाहिए, क्योंकि मात्र शब्दों एवं बयानों की सर्वानुमति किसी एक गलत शब्द के प्रयोग से ही पृष्ठभूमि में चली जाती है। यह रोज सुनते हैं और राहुल गांधी प्रकरण में समूचा राष्ट्र इसे देख रहा है। अपनी सजा पर राहुल गांधी के यह कहने का कोई मतलब नहीं कि सत्य मेरा भगवान है। महात्मा गांधी के इस कथन का उल्लेख करना इसलिए व्यर्थ है, क्योंकि उन्हें जिस बयान के लिए मानहानि का दोषी पाया गया, उसका सत्य से कोई लेना-देना नहीं। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधने के लिए ललित मोदी, नीरव मोदी का उल्लेख करते हुए यह जो कहा था कि सारे मोदी चोर क्यों होते हैं, वह हर दृष्टि से एक अपमानजनक और अभद्र बयान था, जिससे एक जाति-विशेष के लोगों का आहत होना स्वाभाविक है।

निश्चित ही राहुल गांधी का पूर्वाग्रह, आग्रह एवं दुराग्रह से ग्रस्त, राजनीतिक स्वार्थ से प्रेरित पिछले लोकसभा चुनाव के अवसर पर उनकी ओर से दिया गया यह बयान एक जाति विशेष के लोगों के प्रति उनकी दुर्भावना का परिचायक था। यही कारण रहा कि उन्हें मानहानि का दोषी पाया गया। राहुल गांधी को यह आभास होना चाहिए था कि वह अपने बयान से एक जाति के लोगों को लांछित एवं अपमानित कर रहे थे। किसी राजनीतिक दल का सर्वेसर्वा होने का अर्थ यह कदापि नहीं कि वे किसी को भी कुछ भी कह दे। भले ही वह कांग्रेस के बड़े नेता हैं लेकिन इसका यह भी अर्थ नहीं हो सकता कि संभलकर बोलना छोड़ दें और जो मन में आए, बोल दें। समस्या यह है कि वह ऐसा ही करते रहते हैं और इसी कारण रह-रहकर आलोचना और विवाद का केंद्र बनते रहते हैं।

राहुल गांधी जैसे राजनेताओं के कारण पूरी भारतीय लोकतांत्रिक व्यवस्था में अनुशासन, शालीनता, शिष्टता एवं मर्यादा की आदर्श पृष्ठभूमि बन ही नहीं रही है। ऐसे में नई पीढ़ी के बारे में, जो नये विश्व का आधार है, कोई आदर्श सोच पनप नहीं पा रही है, उनके लिये कोई आदर्श पदचिन्ह स्थापित नहीं कर पा रहे हैं अगर कोई प्रयास कर भी रहा है तो वह गर्म तवे पर हथेली रखकर ठण्डा करने के प्रयास जैसा है। जिस पर राजनीति की रोटी तो सिक सकती है पर निर्माण की हथेली जले बिना नहीं रहती। यही विचित्र कारण है कि कांग्रेसजन गलत का साथ देते हुए न्यायिक प्रक्रिया पर प्रश्न खड़े कर रहे हैं। किसी को राजनीति करने के नाम पर कुछ भी कहने की छूट कैसे दी जा सकती है? राहुल गांधी तो इससे और अच्छे से परिचित होंगे, क्योंकि सुप्रीम कोर्ट की एक टिप्पणी को गलत तरीके से उल्लेख करते हुए जब उन्होंने यह कह दिया था कि अब तो शीर्ष अदालत भी कह रही है कि चौकीदार चोर है, तो उन्हें माफी मांगनी पड़ी थी।

चोरी ऊपर से सीना जोरी वाली स्थिति देखने को मिल रही है, अपमानजक बयान के लिए क्षमा याचना मांगने की बजाय वे और उनके हितैषी उसे सही ठहराने में जुटे हैं। भले ही राहुल गांधी अपने अपमानजक बयान के लिए राजनीतिक कारणों से माफी मांगने से इन्कार कर रहे हो, लेकिन परिणाम यह है कि अब उनकी राजनीति पर ही बन आई है। वह जिस कठिनाई में फंसे हैं, उसके लिए अपने अतिरिक्त अन्य किसी को दोष नहीं दे सकते। राहुल गांधी राजनीतिक दृष्टि से अपरिपक्व इंसान है, इस बात को उन्होंने बार-बार साबित किया है। उनके बचकाने बयानों को लेकर पहले से ही राजनीति गरमाई हुई है, अब सूरत अदालत का फैसला राजनीति में उबाल का एक और बिंदु जरूर बन गया है। यह फैसला ऐसे समय आया है, जब लंदन में दिए गए राहुल गांधी के बयान संसद में गतिरोध का कारण बने हुए हैं। सत्तारूढ़ बीजेपी विदेशी धरती पर दिए गए उन बयानों को देश का अपमान बताते हुए राहुल से माफी की मांग पर अड़ी हुई है। इस फैसले ने बीजेपी के तरकश में एक शक्तिशाली बाण तो डाल ही दिया है। बीजेपी नेता और कार्यकर्ता अब इस फैसले के हवाले से यह दावा कर सकते हैं कि राहुल गांधी के बयान अदालत की कसौटी पर भी खरे नहीं उतरते, आम जनता की अदालत में कैसे खरे उतरेंगे? निश्चित ही राहुल गांधी राजनीतिक हमले करते हुए कुछ ज्यादा पर्सनल हो जाते हैं। आजादी के अमृतकाल में भारतीय राजनीति के लिये बेहतर होगा हमारे नेता अपने बयानों के प्रति संवेदनशीलता बनाए रखें, शालीनत एवं शिष्ट भाषा एवं बयान का उपयोग करें। सवाल यह उठता है कि राजनैतिक पार्टियों और उनके नेताओं को ऐसी राष्ट्रीय ऊंचाई तक कैसे उठाया जाये? महात्मा गांधी के प्रिय भजन की वह पंक्ति- 'सबको सन्मति दे भगवान' में फिलहाल थोड़ा परिवर्तन हो- 'केवल आकाओं को सन्मति दे भगवान' एवं 'बोलने वालों को सद्बुद्धि दे भगवान।'

इंसानों की नहीं पशुओं की अधिक चिंता ?

तनवीर जाफ़री

देश भर में बेलगाम आवारा पशुओं के कारण रोज़ाना सैकड़ों हादसे हो रहे हैं। कहीं सड़कों पर पशुओं की वाहनों से टक्कर के कारण बड़ी दुर्घटनायें हो रही हैं। कहीं बिगड़ैल सांड लोगों को अपने कोप का शिकार बना रहे हैं। पूरे देश का किसान कहीं आवारा पशुओं द्वारा उनकी फ़सल तबाह किये जाने से दुखी है तो कहीं नील गाय (रोज़) उसकी फ़सल तबाह कर रही है। हिमाचल व उत्तराखंड जैसे राज्यों में बंदरों के प्रकोप से किसान व फल उत्पादक परेशान हैं। तमाम किसानों ने तो इन जानवरों से दुखी होकर अपना मुख्य व्यवसाय खेती ही त्याग दिया है। दूसरी ओर आवारा कुत्ते आये दिन अनेक लोगों को अपनी क्रूरता का शिकार बना रहे हैं। झारखण्ड,आसाम व केरल जैसे कई राज्यों में हाथियों के झुण्ड कभी किसी की फ़सल तबाह कर देते हैं कभी लोगों के मकान ढहा देते हैं कभी फलदार दरख़्त गिरा देते हैं तो कभी किसी की जान ले लेते हैं। हाथियों की दहशत से तो कई जगह लोग इनके प्रकोप से बचने के लिये इनकी पूजा भी करते हैं। निश्चित रूप से ऐसे बेलगाम जंगली व आवारा पशुओं की क्रूरता से पहुँचने वाली पीड़ा को वही किसान,आम लोग या उनके परिवार समझ सकते हैं जो ऐसे पशुओं के प्रकोप से पीड़ित व प्रभावित हैं। ऐसे प्रभावित लोगों के समर्थन व हमदर्दी में कभी कोई आवाज़ नहीं उठती जबकि आवारा पशुओं व गली के कुत्तों तक के समर्थन में उठने वाले स्वर काफ़ी बुलंद होते हैं। अनेक ग़ैर सरकारी संगठन (एन जी ओ) इन्हीं पशुओं से प्रेम करने का पाठ भी पढ़ाते हैं। जबकि सच तो यह है कि जो लोग अपने घरों में पक्षियों द्वारा घोंसले बनाया जाना पसंद नहीं करते,जिन्हें चिड़ियों की चहचहाना नहीं भाता बल्कि उन्हें चिड़ियों की बीट,उनके द्वारा अपने मकान में घोंसले हेतु इकट्ठे किये जाने वाली सामग्री खर-पतवार से नफ़रत है वह लोग गलियों के आवारा कुत्तों से प्यार करने का पाठ पढ़ाते हैं। और स्वयं को %संभ्रांत % एवं पशु प्रेमी के रूप में पेश करते हैं । इन्हीं कुत्ता व आवारा पशु प्रेमियों ने यदि पक्षियों से प्रेम किया होता तो आज गोरैया जैसा हर परिवार का प्रिय पक्षी विलुप्त होने की कगार पर न पहुँचता। प्रायः देखा जाता है कि कुछ लोग बिस्कुट या रोटी आदि लेकर गलियों के कुत्तों को खिलाने निकल पड़ते हैं।

पशुओं से प्रेम करना निःसंदेह बहुत अच्छी बात है। कोई भी कोमल सहृदयी व्यक्ति पशु पक्षियों व पेड़ पौधों यानी कि प्रकृति से प्रेम भाव अवश्य रखेगा। गत दिनों हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने भी चरख़ी दादरी में आयोजित राज्य स्तरीय पशुधन प्रदर्शनी मेले में अपने सम्बोधन में कहा है कि - %पशुओं के साथ कदापि हिंसात्मक व्यवहार न करने,पशुओं के साथ प्रेमवत रवैया अपनाने पर ज़ोर दिया और कहा कि पशुओं में भी संवेदनाएं होती हैं।% परन्तु इंसान तो पशुओं से भी संवेदनशील होता है ? अतः प्रत्येक प्रकृति व पशु पक्षी प्रेमी का सर्वप्रथम मानव प्रेमी होना भी तो ज़रूरी ज़रूरी है? इंसानों से भेद ,बैर या नफ़रत अथवा उपेक्षा की शर्त पर बेलगाम आवारा पशुओं की हिमायत करना यह आख़िर मानवता की कौन सी श्रेणी है ? राह चलते किसी व्यक्ति को पीछे से सांड़ आकर सींग मारकर घायल कर दे या जान ले ले ,या किसी बड़ी दुर्घटना का कारक बन जाये इसमें इंसान का आख़िर क्या दोष है ? रास्ता चलते लोगों को यहां तक कि छोटे छोटे बच्चों को कुत्ते काट लेते हैं,प्रायः स्कूटर,बाइक या साइकिल सवार के पीछे कुत्ते भोंकते हुये दौड़ने लगते हैं। लोग अपनी जान बचाने के लिये अपने वाहन की गति अचानक तेज़ कर देते हैं जिससे कई बार दुर्घटना भी हो जाती है। परन्तु समाज का कोई भी वर्ग या संगठन इन बेलगाम आवारा पशुओं के प्रकोप के शिकार लोगों के पक्ष में खड़ा होता नज़र नहीं आता। जबकि इन जानवरों से हमदर्दी दिखने इन्हें रोटी,चारा,बिस्कुट आदि डालने वाले लोग ज़रूर नज़र आ जाते हैं।

दरअसल हमारे समाज में सस्ते में पुण्य अर्जित करने का एक रिवाज सा बन चुका है। चिड़ियों को दाना-पानी डालना,मछलियों को आटा खिलाना,चीटियों को चीनी या आटा डालना,आवारा पशुओं को चारा,रोटी व अन्य पशु खाद्य सामग्री डालना लोग पुण्य का काम समझते हैं। प्रायः रिहाइशी इलाक़ों में मोहल्लों व कालोनियों में यही कथित %पुण्यार्थीजन% बेलगाम व आवारा पशुओं को अपने अपने दरवाज़ों पर रोटी देते हैं। इस तरह रोज़ाना रोटी मिलने से वे पशु उन दरवाज़ों पर प्रतिदिन दस्तक देने के अभ्यस्त हो जाते हैं। और जब तक इन जानवरों को उस दरवाज़े से कुछ मिल नहीं जाता वे उसी जगह अपना डेरा जमाये रखते हैं। यदि उस मकान में कोई नहीं है तो भी वे उसका गेट हिलाते रहते हैं। उधर उसी गली से निकलने वाले अन्य लोग भयवश उधर से गुज़रने से कतराते हैं। बच्चे तो विशेषकर डर से या तो देर तक खड़े रहते हैं या अपना रास्ता बदल देते हैं। गोया एक % स्वयंभू पुण्यार्थी% के %तथाकथित सद्कर्मों % का ख़ामियाज़ा आम राहगीरों को भुगतना पड़ता है।

पशु प्रेम के मामले में प्रायः हम पश्चिमी देशों के लोगों की नक़ल भी करने लगते हैं। बेशक वे पशुओं से बेहद प्रेम करते हैं। परन्तु इसी के साथ वे पहले इंसानों से भी प्रेम करते हैं। मिलावटख़ोरी,कम तौलना इंसानों को इंसानों द्वारा ही ठगना उन पश्चिमी देशों की संस्कृति का हिस्सा नहीं। वहां उपभोक्ता हो या बाज़ार, अस्पताल से लेकर स्कूल सड़क हो या यातायात,न्याय हो या प्रशासनिक निर्णय हर जगह मानव व मानवीय मूल्यों की क़द्र होते देखी जा सकती है। वहां पशु प्रेम तो है परन्तु हमारे देश की तरह वृन्दावन अयोध्या व हरिद्वार जैसे धर्मस्थलों पर इकट्ठे होने वाले लाखों उपेक्षित वृद्धों व विधवाओं की भीड़ नहीं। मंदिरों दरगाहों पर बैठे भिखारी बने असहाय लोग उस समाज में नहीं बल्कि हमारे तथाकथित %पशु प्रेमी %समाज के लोग हैं। वहां लोग खुले बोरवेल के गड्ढे या खुले मेन होल के ढक्कन में गिर कर जान नहीं गंवाते। हमारे देश की कड़वी सच्चाई तो यही है कि उदाहरणार्थ जो डॉक्टर बिना पैसे लिये किसी ग़रीब इंसान का इलाज करना गवारा नहीं करता वही %संभ्रांत डॉक्टर % मॉर्निंग वाक पर अपने कुत्ते के साथ घूमता और दूसरों के घरों के सामने या किसी के ख़ाली प्लाट पर या पार्क में अपने कुत्ते को %पॉटी % कराता नज़र आयेगा और समाज में स्वयं को %कुत्ता प्रेमी % बतायेगा।

ऐसे सैकड़ों सच्चे व कड़वे उदाहरण हैं जो इस नतीजे पर पहुँचने के लिये काफ़ी हैं कि हमारे दिखावा करने दोहरा मापदण्ड अपनाने व सस्ते में पुण्य कमाने की चाहत रखने वाले समाज में एक बड़ा वर्ग ऐसा भी है जिसे इंसानों से ज़्यादा पशुओं की कथित चिंता सताये रहती है। यह बात कितनी उचित व प्रासंगिक है यह तय करना भी समग्र भारतीय समाज की ही ज़िम्मेदारी है।

सुमन कल्याणपुर को पद्मश्री सम्मान जैसे किसी गलती का सुधर जाना!

हेमंत पाल

सुमन कल्याणपुर का जब भी जिक्र आता है, लोगों को ये नाम अनजाना नहीं लगता। इसलिए कि इस सुमधुर गायिका ने कई गानों को अपनी सुरीली आवाज से सजाया है। इनमें ना तुम जानो न हम, दिल गम से जल रहा है, मेरे संग गा, मेरे महबूब न जा, जो हम पे गुजरती है और 'बहना ने भाई की कलाई में' आदि गाने शामिल हैं। इस गायिका के पिछड़ने का कारण ये रहा कि उनकी आवाज लता मंगेशकर से बहुत ज्यादा मिलती है। इतनी कि सुनने वाले को दोनों की आवाज में फर्क करना मुश्किल होता था। सुमन कल्याणपुर इस वजह से कई बार नाइंसाफी भी हुई। लता मंगेशकर की आवाज से सजा गाना 'ए मेरे वतन के लोगों' पहले सुमन कल्याणपुर ही गाने वाली थीं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने हाल ही में नागरिक अलंकरण समारोह में वर्ष 2023 के लिए पार्श्व गायिका सुमन कल्याणपुर को पद्मसम्मान से सम्मानित किया।

फ़ल्मी दुनिया की रिवाज अजीब है। यहां एक बड़ी प्रतिभा के पीछे कई दूसरी प्रतिभाएं दब जाती है। ऐसे ही जब मंगेशकर बहनों का डंका बजता था, तब कई मधुर पार्श्व गायिकाओं को आगे बढ़ने का मौका नहीं मिला। ऐसी ही एक गायिका हैं, सुमन कल्याणपुर। उन्होंने अपने दौर के करीब सभी बड़े संगीतकारों के लिए गीत गाए। उनकी आवाज और गायकी का अंदाज काफी हद तक लता मंगेशकर से मिलता था। यही कारण रहा कि जब भी लता की किसी संगीतकारों या गायकों से अनबन हुई, तो उसका लाभ सुमन कल्याणपुर को मिला। लेकिन, उनके जीवन में एक घटना ऐसी घटी जो उन्हें आज भी कचोटती है। महाराष्ट्र के नांदेड़ में आयोजित 'आषाढी महोत्सव' के दौरान सुमन कल्याणपुर ने उस बात का खुलासा भी किया था। उन्होंने बताया था कि सन 1946 में पंडित नेहरू के सामने मुझे 'ए मेरे वतन के लोगों' गीत गाने का मौका मिला था। ये जानकर मेरी खुशी का ठिकाना नहीं रहा। लेकिन, जब कार्यक्रम के दौरान गाना गाने के लिए मंच के पास पहुंची तो मुझे रोका गया और कहा गया कि वे इस गाने के बजाए आप दूसरा गाना गाएं। कल्याणपुर ने बताया था कि 'ए मेरे वतन लोगों' मुझसे छीन लिया गया। यह मेरे लिए बड़ा सदमा था। उन्हें यह बात आज भी चुभती है।

एक समय जब किसी मामले में मोहम्मद रफी और लता मंगेशकर में अनबन हुई तो इसका लाभ सुमन कल्याणपुर को मिला। रफ़ी के साथ गाए उनके अधिकांश गीत कामयाब हुए। दिल एक मंदिर है, तुझे प्यार करते हैं करते रहेंगे, अगर तेरी जलवानुमाई न होती, मुझे ये फूल न दे, बाद मुद्दत के ये घड़ी आई, ऐ जाने तमन्ना जाने बहारां, तुमने पुकारा और हम चले आए, अजहूं न आए बालमा, ठहरिए होश में आ लूं तो चले जाईएगा, पर्वतों के पेड़ों पर शाम का बसेरा है, ना ना करते प्यार तुम्हीं से कर बैठे, रहें ना रहें हम महका करेंगे, इतना है तुमसे प्यार मुझे मेरे राजदार और 'दिले बेताब को सीने से लगाना होगा' जैसे गीत उसी दौर में बने थे।अपनी गुमनाम जिंदगी के बावजूद सुमन कल्याणपुर का लता मंगेशकर से हमेशा अपनत्व बना रहा। उन्हें आज भी लता जी के गाने पसंद हैं। उनका कहना है कि लता दीदी की आवाज बहुत कोमल और मधुर थी। उनकी आवाज मतलब एक ऐसा स्वर जो हम सभी के लिए आदर्श था। आज वह स्वर नहीं रहा, इसलिए कुछ खोया-खोया सा लगता है। लेकिन, उनके गाने हमारे बीच आज भी हैं और हमेशा रहेंगे। मैं उनसे चार या पांच बार ही मिली, लेकिन जब भी मिली तो मुझे अपनापन महसूस होता था। शायद यही अपनापन वे भी महसूस करती थीं। हम एक-दूसरे का हाथ पकड़ बातें किया करते थे। लगता था जैसे लम्बे अरसे बाद दो सहेलियां मिल रही हों। हमारा एक ही डुएट गाना 'चांद के लिए' भी रिकॉर्ड हुआ था।'

सुमन कल्याणपुर का जन्म 28 जनवरी 1937 को ढाका में (उस वक्त भारत का हिस्सा था) सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के बड़े बाबू शंकरराव हेमाड़ी के यहां

उनकी पहली संतान के रूप में हुआ। शंकर बाबू और उनकी पत्नी सीता ने अपनी बेटी का नाम सुमन रखा। सुमन के अलावा शंकर बाबू के यहां पांच संतानें और हुईं। बच्चों की बेहतर पढ़ाई-लिखाई का सपना संजोकर शंकर बाबू परिवार के साथ 1943 में मुंबई चले आए। उनके घर में कला और संगीत की तरफ सभी का झुकाव था। लेकिन, इतनी इजाजत नहीं थी कि सार्वजनिक तौर पर गाया जाए। पहली बार उन्हें 1952 में 'ऑल इंडिया रेडियो' पर गाने का मौका मिला। ये सुमन कल्याणपुर का पहला सार्वजनिक कार्यक्रम था!

इसके बाद 1953 में उन्हें मराठी फिल्म 'शुक्राची चांदनी' में गाने का मौका मिला। उन्हीं दिनों शेख मुख्तार फिल्म 'मंगू' बना रहे थे जिसके संगीतकार मोहम्मद शफी थे। मराठी गीतों प्रभावित होकर ही उन्हें 'मंगू' में तीन गीत रिकॉर्ड करवाए थे। किन्तु, न जाने क्या हुआ और 'मंगू' संगीतकार को बदल दिया गया। मोहम्मद शफी की जगह ओपी नैयर आ गए। उन्होंने सुमन कल्याणपुर के तीन में से दो गीत हटा दिए और सिर्फ एक लोरी 'कोई पुकारे धीरे से तुझे' ही रखी। 'मंगू' के फौरन बाद उन्हें इस्मत चुगताई और शाहिद लतीफ की फिल्म 'दरवाजा' में नौशाद के साथ पाँच गीत गाने का मौका मिला। 1954 में उन्हें ओपी नैयर के निर्देशन में बनी फिल्म 'आरपार' के हिट गीत 'मोहब्बत कर लो, जी कर कर लो, अजी किसने रोका है' में रफी और गीता का साथ देने का मौका मिला था। सुमन के मुताबिक इस गीत में उनकी गाई एकाध पंक्ति को छोड़ दिया जाए तो उनकी हैसियत महज कोरस गायिका की सी रह गई थी।

आज भी उनका नाम उन सुरीली गायिकाओं में होता है, जिन्होंने लता मंगेशकर के एकाधिकार के दौर में अपनी पहचान बनाई। इसके बावजूद उन्हें वो जगह कभी नहीं मिली, जिसकी वो हकदार थीं। शास्त्रीय गायन की समझ, मधुर आवाज़ और लम्बी रेंज जैसी सभी खासियतों के होते हुए भी सुमन कल्याणपुर को कभी लता मंगेशकर की परछाईं से मुक्त नहीं होने दिया गया। अपने करीब तीन दशक के अपने करियर में उन्होंने कई भाषाओं में तीन हजार से ज्यादा फिल्मी-गैर फिल्मी गीत-ग़ज़ल गाए। बचपन से सुमन कल्याणपुर की पेंटिंग और संगीत में सुमन की हमेशा से दिलचस्पी थी। अपने पारिवारिक मित्र और पुणे की प्रभात फिल्म्स के संगीतकार पंडित 'केशवराव भोले' से गायन उन्होंने संगीत सीखा। उन्होंने गायन को महज़ शौकिया तौर पर सीखना शुरू किया था। लेकिन, धीरे-धीरे इस तरफ उनकी गंभीरता बढ़ने लगी तो वो विधिवत रूप से 'उस्ताद खान अब्दुल रहमान खान' और 'गुरूजी मास्टर नवरंग' से संगीत की शिक्षा लेने लगीं। सत्तर के दशक में नए संगीत निर्देशकों और गायिकाओं के आने के साथ ही सुमन कल्याणपुर की व्यस्तताएं कम हो गई। 1981 में बनी फिल्म 'नसीब' का 'रंग जमा के जाएंगे' उनका आखिरी रिलीज गीत साबित हुआ। सुमन के मुताबिक, फिल्म 'नसीब' के बाद मुझे गायन के मौके अगर मिले भी तो वो गीत या तो रिलीज ही नहीं हो पाए और अगर हुए भी तो उनमें से मेरी आवाज नदारद थी। गोविंदा की फिल्म 'लव 86' में मैंने एक सोलो और मोहम्मद अजीज के साथ एक युगल गीत गाया था। लेकिन, जब वो फिल्म और उसके रेकॉर्ड रिलीज हुए तो मेरी जगह कविता कृष्णमूर्ति ले चुकी थीं। कुछ ऐसा ही केतन देसाई की फिल्म 'अल्लारखा' में भी हुआ, जिसके संगीतकार अनु मलिक थे। सुमन कल्याणपुर को रसरंग (नासिक) का 'फाल्के पुरस्कार' (1961), सुर सिंगार संसद का 'मियां तानसेन पुरस्कार' (1965 और 1970), 'महाराष्ट्र राज्य फिल्म पुरस्कार' (1965 और 1966), 'गुजरात राज्य फिल्म पुरस्कार' (1970 से 1973 तक लगातार) जैसे करीब एक दर्जन पुरस्कार मिल चुके हैं। उन्हें मध्यप्रदेश सरकार ने भी वर्ष 2017 के लिए राष्ट्रीय लता मंगेशकर सम्मान देने की घोषणा की, जो उन्हें 6 फ़रवरी 2020 को लता मंगेशकर की जन्मस्थली इंदौर में दिया गया। बरसों की गुमनामी के बाद अब उन्हें पद्मसम्मान दिया जाना एक गलती को सुधारने जैसी बात है।

इंदौर अभय जी के दिल में धड़कता था

कैलाश विजयवर्गीय

अभय जी छजलानी के साथ अपनी यादों को उसी तरह से लिपिबद्ध किया जा सकता है, जैसे उन्होंने कभी नईदुनिया में किया था— गुजरता कारवां लिखकर ।शहर के मसलों पर इतना विस्तृत चिंतन और लेखन तब तक तो किसी ने नहीं किया था ।उनसे जुड़े तमाम लोगों के पास इसी तरह यादों का विशाल भंडार होगा,क्योंकि संस्था रूप में जिस व्यक्ति ने करीब चार दशक तक इंदौर,देश,दुनिया को सुक्ष्म दृष्टि से देखने,विश्लेषण करने,समाधान प्रस्तुत करने और उससे तादात्म्य बिठा लेने की खूबी जो थी अभय जी में ।पत्रकारिता और इंदौर के गौरव की एक महत्वपूर्ण कड़ी का टूटकर अलग होना अखरेगा तो सही ।यूं देखा जाए तो अभय जी के साथ जब दिल के तार नहीं जुड़े थे, तब हम दोनों के मन में एक—दूसरे के प्रति मत भिन्नताएं थीं, लेकिन 1999 में इंदौर का महापौर बनाने के बाद जब उनसे संवाद—मुलाकात होने लगी तो यह खाई ऐसे पट गई, जैसे कभी थी ही नहीं ।तब मैंने जाना कि शहर के मसलों पर उनके मन में कमतरी के प्रति टीस और निवारण के प्रति उत्साह रहता था ।हमारी परिषद और मेरी भी आलोचना,सुझाव और प्रशंसा में कभी कंजूसी नहीं की। मेरे अनेक कामों को सराहते हुए संपादकीय लिखे ।एक वाकया याद आता है। मैंने

बच्चों से शास्त्री पूल की दीवारों पर चित्रकारी करवाई थी। कुछ ही समय बाद एक बड़े कांग्रेसी नेता के आगमन पर उसे मिटाकर नारे लिख दिए। अभय जी इससे बेहद व्यथित हुए,जिसका जिक्र तो उन्होंने मुझसे किया ही, इस प्रवृत्ति के खिलाफ संपादकीय भी लिखा। मुझे लगता है, उसके बाद शहर की दीवारों पर राजनीतिक लेखन बंद हो गया।

अभय जी की एक बात का खास तौर से उल्लेख करना चाहूंगा। वे अखबार में सपाट ढंग से किसी भी सम्मानित,जिम्मेदार व्यक्ति का नाम लिखना नापसंद करते थे। जैसे—अटल विदेश दौरे पर। वे लिखते थे अटल जी विदेश दौरे पर। नईदुनिया ने उनके संचालन कार्यकाल में हमेशा इस मर्यादा का पालन किया। वे कहते थे,सीधे नाम लिखना विदेशी तरीका है, जो भारतीय संदर्भ में अपमानजनक और अमर्यादित है ।वे हिंदी पत्रकारिता में इस तरीके को अपना लिए जाने से असहज महसूस करते थे ।दरअसल, अभय जी छजलानी और नईदुनिया एक लंबे समय तक इंदौर की धड़कन की तरह थे। वे शहर की बेहतरी के लिए खबर, संपादकीय से आगे जाकर व्यक्तिगत पहल करते थे। इंदौर में नर्मदा के पानी को लाने के आंदोलन और बिक चुके राजबाड़ा को सरकार द्वारा अधिगृहीत कर लिए जाने तक चले आंदोलन को नईदुनिया ने जबरदस्त समर्थन दिया। इन्हीं कारणों से अभय जी और उनके कार्यकाल वाला नईदुनिया इंदौर के दिल में सदैव धड़कते रहेंगे।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —संजय सक्सेना,
प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म.प्र.। ई-मेल : dspbpl67@gmail.com, वेबसाईटः dainiksandhyaprakash.in

रमजान महा शुरू होते ही मुस्लिम धर्मावलंबियों में उत्साह है

ओबैदुल्लागंज संवाददाता- रमजान माह शुक्रवार से शुरू हो गया है शनिवार को दूसरा रोजा हुआ जुमा को रोजेदारों ने इबादत की जिसके कारण मस्जिदों में काफी भीड़ रही रमजान महा शुरू होते ही मुस्लिम धर्मावलंबी लोगों में काफी उत्साह देखा जा रहा है वरिष्ठ सगीर भाई आसिफ पठान नईम भाई सलीम भाई नेताजी गुड्डू भाई अफसर भाई आमिर ममनून भाई अकील भाई राजा भाई आमीन शहंशाह भाई सोहेल भाई इम्तियाज अली डॉ कल्लू पार्षद सना ममनून इजराइल भाई ने बताया कि रमजान रहमतों की बारिश लेकर लेकर आए नमाज शहर की मस्जिदों में बड़े अकीदत और एहतराम के साथ अदा की गई रमजान में मुस्लिम युवाओं में रोजा रखने का ज्यादा उत्साह है

श्री दिगंबर जैन मंदिर में सिद्धचक्र महामंडल विधान का दूसरा दिन संपूर्ण हुआ

ओबैदुल्लागंज। श्री दिगंबर जैन मंदिर मैन रोड नेमिनाथ जिनालय में सिद्धचक्र महामंडल विधान का दूसरा दिन संपूर्ण हुआ आज दूसरे दिन सिद्धों के 16 गुणों के अर्घ्य संपूर्ण भक्ति भाव से अर्घ्य चढ़ाए गए , इस अवसर पर प्रतिष्ठाचार्य जयकुमार जी एवं मुकेश जी ने प्रवचन में बताया सांसारिक सुख सिर्फ क्षणिक मात्र है लेकिन शाश्वत सुख चाहिए तो जिनेंद्र भगवान की पूजन विधान से ही प्राप्त होगा , सुबह 6 बजे से अभिषेक शांतिधारा और नित्य नियम पूजन के बाद सिध्धो के 16 गुणों के अर्घ्य चड़ाये गए, संगीतकार राहुलनपेडले द्वारा सुरमयी संगीत के साथ भक्तगण पूरी श्रध्दा नाच झूम कर भक्ति भाव के साथ सिध्दहों की आराधना कर रहे है इस अवसर पर पवन रवि जैन, ऋतु रितेश, रूपेश सारिका, नीति अनुराग, शिमला शिल्पी जैन ,राजीव वर्षा ,पंकज पिंकी आदि भक्तगण उपस्थित थे

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय छतरपुर में हुआ कैम्पस प्लेसमेन्ट

छतरपुर। श्री कृष्णा विश्वविद्यालय छतरपुर में प्रगति एग्रो इंडस्ट्रीज भोपाल के सहयोग से कैम्पस प्लेसमेंट का आयोजन किया गया है। जिसमें प्रगति एग्रो इंडस्ट्रीज भोपाल के संचालक जडी पाटिल, मानव संसाधन प्रमुख के.पी पाटिल एवं शिवम कुमार सम्मिलित हुए। जिनके द्वारा सम्मिलित अभ्यार्थियों से व्यक्तित्व, कौशल विकास और उनकी रूचि से संबंधित प्रश्नों से उनके ज्ञान को परखा गया। विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों की सप्रेषण शैली व प्रतिभा से प्रभावित होकर विभिन्न विभागों के पंजीकृत 188 विद्यार्थियों में से उत्कृष्ट 60 विद्यार्थियो का चयन किया गया। श्री कृष्णा विश्वविद्यालय का प्लेसमेन्ट सेल अपनी गतिमान स्थिति में हैं। इस सेल का उद्देष्य विश्वविद्यालय में विभिन्न पाठ्यक्रमों के अंतिम वर्ष में अध्ययनरत् विद्यार्थियों को लाभांवित करना है। प्लेसमेंट एक चालू रोजगार संबंध स्थापित करने के लिए चयनित व्यक्ति और नियोक्ता को जोड़ने की प्रक्रिया को संदर्भित करता है। इस चरण में कर्मचारी को वे गतिविधियाँ दी जाती हैं जिन्हें उसे करने की आवश्यकता होती है और उसे उसके कर्तव्यों के बारे में बताया जाता है। श्री कृष्णा विश्वविद्यालय का प्लेसमेंट सेल छात्रों को उद्योग मानकों के बारे में पढ़ाते हैं और उन्हें अधिक रोजगार योग्य बनाते हैं। अभी तक विश्वविद्यालय में हुए प्लेसमेंट से लगभग 2000 विद्यार्थी लाभान्वित होकर विभिन्न कम्पनियों में रोजगार प्राप्त कर चुके है।चयनित विद्यार्थियो को विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ.बृजेन्द्र सिंह गौतम, चेयरमैन डॉ. पुष्पेन्द्र सिंह गौतम, उपकुलपति श्री गिरीश त्रिपाठी एवं कुलसचिव श्री विजय सिंह ने बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं प्रदान की। कार्यक्रम के समन्वयक कु. प्रिंसी पाठक, कु. प्रतीक्षा तिवारी एवं सुदर्शन बबेले रहे।

पक्षियों से हमारी दुनिया हैं, हम से पक्षी नहीः डॉ. निकेत

छतरपुर। गर्मियों के दिनों में आपने अक्सर देखा होगा कि पक्षी दाना-पानी की तलाश में इधर-उधर भटकते रहते हैं। अब हमारी जिम्मेदारी है कि अपने आसपास पक्षियों के लिए किसी छायादार जगह या पेड़ पर पानी और भोजन की व्यवस्था करें। क्योंकि ये पक्षी दिखने में जरूर छोटे लगते हैं लेकिन हमारे लिए बहुत बड़ा काम करते हैं। या सीधा यूं कहें कि यदि हमारे आसपास पक्षी नहीं होंगे हमारे समाज का जीवन भी बहुत मुश्किल हो जाएगा। इस तरह से शुक्रवार को समाजसेवी संस्था द्वारा आयोजित कार्यशाला में पक्षियों के जानकार डॉ. निकेत मिश्रा ने बच्चों के साथ गर्मियों के दिनों में पक्षियों की देखभाल विषय पर अपनी बात रखी। उन्होंने बताया कि वे लंबे समय से बुंदेलखंड अंचल में पक्षियों के संरक्षण के लिए सरकारी विभाग और निजी तौर पर कार्य कर रहे हैं। वर्तमान श्रीकृष्णा विश्वविद्यालय में जीव विज्ञान विभाग के एचओडी के रूप में सेवाएं दे रहे हैं। समय-समय पर पक्षियों के सर्वे और कार्यशालाओं में लोगों को पक्षियों से संबंधित जानकारी भी देते हैं। अतिथि का संस्था के संचालक विपिन अवस्थी शील्ड एवं प्रशस्ति पत्र भेंटकर सम्मानित किया गया।

कार्यशाला एवं टॉस्क फोर्स समिति की बैठक सम्पन्न

विदिशा । बाल एवं कुमार श्रम (प्रतिषेध एवं विनियमन) अधिनियम के अंतर्गत एक दिवसीय कार्यशाला एवं टॉस्क फोर्स समिति की बैठक शुक्रवार को आयोजित की गई थी। कलेक्टर श्री उमाशंकर भार्गव की अध्यक्षता में आयोजित यह बैठक नवीन कलेक्ट्रेट के बेतवा सभागार कक्ष में दोपहर दो बजे से शुरू हुई। बैठक में बाल कल्याण समिति के पदाधिकारी , जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, सहायक श्रमायुक्त, स्कूल शिक्षा विभाग, जिला बाल संरक्षण अधिकारी, विशेष पुलिस इकाई के प्रभारी अधिकारी, कैलाश सत्यार्थी चिल्ड्रन फाउण्डेशन के जिला समन्वयक, कॉर्डिनेटर चाइल्ड लाइन के संचालक तथा श्रम पदाधिकारी व नोडल अधिकारी मौजूद रहें।

इसी प्रकार बंधक श्रम प्रथा (समाप्ति) अधिनियम के तहत गठित जिला स्तरीय सतर्कता समिति की भी बैठक साथ-साथ आयोजित की गई थी। इस बैठक के सदस्य जिला खनिज अधिकारी, लीड़ बैंक आफीसर, आदिम जाति कल्याण विभाग के जिला संयोजक, अशासकीय सदस्य श्री मनोज अहिरवार, श्रीमती प्रिया पंथी, श्री गोवर्धन चौहान, श्री नीलेश अग्रवाल भी मौजूद रहें।दोनो बैठकों में मुख्यतः जिले में बालक और कुमार श्रम के तहत प्रावधानो की जानकारियां समिति के सदस्यों को दी गई साथ ही नवीन संशोधनों की प्रतियां उपलब्ध कराई गई है। निर्धारित आयु वर्ग के बच्चों से काम नहीं कराने के संबंध में भी बिन्दुवार जानकारी दी गई है। स्वंयसेवी संस्थाओं के माध्यम से संपादित किए जाने वाले कार्यो पर भी गहन प्रकाश डाला गया है। बैठक में बताया गया कि बालक श्रमिक अर्थात जिसने अपनी आयु के 14 वर्ष की आयु पूर्ण नही की है वे बालक श्रमिक माने जाएंगे इस प्रकार की आयु के बच्चो से कार्य नही संपादन कराने के संबंध में जानकारी दी गई। वही कुमार श्रमिक जो 18 वर्ष तक की आयु के है को शामिल किया गया है इन आयु वर्ग के युवाओं से काम के प्रतिदिन छह घंटे अंतराल तीन घंटे के बाद एक घंटे का, ओवर टाइम नहीं, साप्ताहिक अवकाश एक दिन का के अलावा विभिन्न धाराओ के तहत किए गए प्रावधानो की जानकारी दी गई जिसमें उपबंध धाराओ के उल्लघंन करने पर 6 माह से दो वर्ष तक कारावास, जुर्माना 20 हजार रूपए से 50 हजार रूपए तक का अथवा दोनो देय होंगे। अधिनियम के अन्य प्रावधानो के उल्लंघन पर कारावास एक माह का व जुर्माना दस हजार रूपए का, धारा 14(ख) अपराधो का संज्ञेय होने पर प्रावधानो से अवगत कराया गया है। बंधक श्रमिक पद्वति के तहत बंधक श्रमिको के पुर्नवास हेतु केन्द्र परिवर्तित योजना की जानकारी दी गई जिसमें पुर्नवास हेतु सहायता राशि वयस्क पुरूष हितग्राहियों को एक लाख रूपए, स्पेशल केडेगरी के हितग्राहियों को दो लाख रूपए, ऐसे श्रमिक जिनका शारीरिक शोषण अथवा मानव तस्करी किया जाता है उन मामलो में तीन लाख रूपए की राशि पुर्नवास सहायता के तहत देय होगी।

जलजीवन मिशन के अंतर्गत पेयजल के कार्य तय सीमा में पूरे हों- प्रमुख अभियन्ता पी एच ई

विदिशा । लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग मध्यप्रदेश के प्रमुख अभियन्ता, मुख्य अभियन्ता, अधीक्षण यंत्री द्वारा आगामी ग्रीष्म ऋतु के दृष्टिगत पेयजल व्यवस्था की समीक्षा जिलों में जाकर की जा रही है। इसी क्रम में विदिशा जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल योजनाओ के कार्य की गुणवत्ता का निरीक्षण किया गया है।तत्पश्चात जिले में विभागीय कार्यालय में अधिकारियों, कांट्रेक्टर के साथ कार्यो की अवयववार समीक्षा की जा रही है।

समीक्षा के दौरान उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि ग्रीष्म ऋतु में हैंडपंप संधारण का कार्य प्राथमिकता पर कराएं तथा आउटसोर्सिंग एजेंसी जो हैंडपंप संधारण का कार्य कर रही हैं उनकी सतत मॉनिटरिंग करें, किसी भी प्रकार की शिथिलता स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि जिला स्तर एवं उपखंड स्तर पर कंट्रोल रूम की स्थापना की जाए और विकासखंड स्तर पर जो भी उपयंत्री पदस्थ हैं वह जनपद कार्यालय में सतत संपर्क रखें एवं हैंडपंप शिकायत रजिस्टर रखा जाकर जनपद स्तर से प्राप्त समस्याओं का निराकरण कराएं, जो शिकायतें सीएम हेल्पलाइन से प्राप्त हो रही हैं उन शिकायतों का भी तत्काल समय सीमा में निराकरण करें।

जहां पर पेयजल संकट की स्थिति निर्मित होती है वहां लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग पेयजल परिरक्षण अधिनियम कलेक्टर से संपर्क कर जिले में लागू कराएं। प्रमुख अभियंता श्री एस के अंधवान ने कहा कि जल जीवन मिशन की एकल योजनाओं, जिनके कार्य एक वर्ष या उससे अधिक अवधि से प्रगतिरत है उन्हें मई माह के अंत तक प्राथमिकता पर पूर्ण कराये। जो ठेकेदार नलजल योजनाओं के कार्य पिछ्ले एक वर्ष में 30 प्रतिशत पूर्ण नहीं कर सके हैं, उनका परीक्षण कर अनुबंध नियमानुसार निरस्त करें

तथा ब्लैक लिस्ट करने की कार्यवाही भी करें।

विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि जिन ग्रामों की पेयजल योजनाएं स्वीकृत की जा चुकी हैं उनकी तत्काल निविदा आमंत्रण की कार्यवाही की जाए

जहां पेयजल संकट की स्थिति उत्पन्न हो उन ग्रामीण क्षेत्रों में नलकूप खनन की कार्यवाही करें, जिलों को लक्ष्य आवंटित कर दिए गए हैं। हैंडपंप संधारण के लिए स्पेयर पार्ट्स एवं रायजर पाईप की जरूरत के आधार पर व्यवस्था सुनिश्चित कर ली जावे। जिले पर जहां जलस्तर नीचे जाने की संभावना है वहां विभाग सिंगल फेस पंपों की भी अभी से व्यवस्था करले, पम्प निर्माता कंपनियों को आदेश जारी कर दिए गए हैं। जिलों में विभाग लगातार सतत मॉनिटरिंग करें।

विदिशा जिले के ग्राम कुआखेड़ी, खेजड़ा पड़रात, मढ़ीपुर में जाकर, पेयजल योजानाओं के अंतर्गत निर्मित ओवर हैड टैंक, संपवेल, घरेलू कनेक्शन, इत्यादि कार्यो का निरीक्षण किया। समीक्षा के दौरान लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के प्रमुख अभियंता श्री एस के अंधवान , मुख्य अभियन्ता श्री आर के हिरोडिया, अधीक्षण यंत्री श्री एम सी अहिरवार , विदिशा के जिले के कार्यपालन यंत्री श्री संतोष कुमार साल्वे, रायसेन जिले की कार्यपालन यंत्री श्वेता औचट तथा समस्त सहायक यंत्री, उपयंत्री,कांट्रेक्टर उपस्थित थे।

पॉलिटेक्निक में हुआ रोजगार दिवस कार्यक्रम का आयोजन

विदिशा (निप्र)। जिला स्तरीय रोजगार दिवस कार्यक्रम का आयोजन आज शुक्रवार को एसएटीआई के पॉलिटेक्निक में सम्पन्न हुआ है। रोजगार दिवस कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों के द्वारा मां सरस्वती जी के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन व कन्या पूजन कर किया गया। इसके उपरांत अतिथियों के द्वारा स्वयं का रोजगार प्रारंभ करने वाले हितग्राहियों को स्वीकृति पत्र तथा स्व सहायता समूह की महिला सदस्यों को चेक प्रदाय किए गए हैं।

रोजगार दिवस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष श्री मुकेश टंडन ने कहा कि में मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान को धन्यवाद देता हूं कि उन्होंने विदिशा जिले के 1676 परिवारों के सदस्यों को 12 विभागों के माध्यम से रोजगार से लगाने का कार्य किया है, जिसमें दो करोड़ दो लाख अस्सी हजार के ऋण स्वीकृत हुए हैं। उन्होंने कहा कि एक समय था जब लोन लेने के लिए आमजनों को परेशान होना पड़ता था। लेकिन अब मुख्यमंत्री जी की संवेदनशीलता के चलते हर माह लोगों को स्वरोजगार देने का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित स्वयं का व्यवसाय प्रारंभ करने वालों को संबोधित करते हुए कहा कि बड़े-बड़े उद्योगपतियों ने भी शुरुआत में छोटे स्तर पर ही अपना रोजगार प्रारंभ किया था और आज वह दूसरों को नौकरी देने का कार्य कर रहे हैं। इस अवसर पर सांसद प्रतिनिधि श्री राकेश शर्मा, श्री मनोज कटारे, श्री यशपाल रघुवंशी, श्री बृजेश लोधी समेत विभिन्न विभागों के अधिकारी कर्मचारी और आमजन मौजूद रहे। जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र के महाप्रबंधक ने बताया कि आज सम्पन्न हुए जिला स्तरीय रोजगार दिवस कार्यक्रम में 1729 हितग्राहियों को 1676 स्वीकृति, वितरण के प्रकरणों में कुल 2280.84 लाख रूपए के स्वीकृति पत्र प्रदाय किए गए है। विभाग की सहायक प्रबंधक श्रीमती जयंती कुमारी ने बताया कि रोजगार दिवस मेले में मुख्यतः 11 विभागो के माध्यम से क्रियान्वित 24 हितग्राहीमूलक योजनाओं के हितग्राहियों को लाभांवित किया गया है।

6314 हितग्राहियों को विभिन्न योजनाओं में स्वरोजगार स्थापना के लिए 110 करोड़ 98 लाख की राशि वितरीत

नर्मदापुरम । शुक्रवार को जिला स्तरीय रोजगार मेले का आयोजन नर्मदा महाविद्यालय में किया गया। इस अवसर पर नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमती नीतू महेन्द्र यादव, जिला महाप्रबंधक जिला व्यापार उद्योग केंद्र श्री कैलाश माल, प्राचार्य पॉलिटेक्निक श्री आरआर चंद्राकार, जिला अग्रणी बैंक प्रबंधक श्री रमेश हिले सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहें। संचालन सहायक संचालक जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र श्री गुंजन जैन ने किया। कार्यक्रम में बताया गया कि इस वित्तीय वर्ष 2022 23 में अभी तक विभिन्न स्वरोजगार मूलक योजनाओं से लाभांवित 6314 हितग्राहियों को स्वरोजगार स्थापित करने के लिए 110 करोड़ 98 लाख की राशि की राशि वितरीत की गई है। साथ ही 3313 हितग्राहियों को रोजगार प्राप्त हुआ है। कार्यक्रम में अतिथियों द्वारा लाभांवित हितग्राहियों को सांकेतिक रूप से स्वीकृति पत्र का भी वितरण किया गया। इसके पश्चात नीमच जिले में आयोजित राज्य स्तरीय रोजगार दिवस के मुख्य कार्यक्रम में उपस्थित हुए मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के उद्बोधन को लाइव प्रसारण के माध्यम से सुना गया। इस दौरान बड़ी संख्या में युवा वर्ग उपस्थित रहा। नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमती नीतू महेन्द्र यादव ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में मध्यप्रदेश आत्मनिर्भर बन रहा हैं। प्रदेश विकास के पथ पर तेजी से अग्रसर हैं। शासन की विभिन्न योजनाओं के माध्यम से बड़ी संख्या में हमारा युवा वर्ग स्वरोजगार से जुड़ आत्मनिर्भर बना हैं। महिलाएं भी आज आगे बढ़कर योजनाओ का लाभ लेकर स्वरोजगार स्थापित कर रही हैं। साथ ही अन्य महिलाओं को भी रोजगार प्रदान कर रही हैं। नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमती यादव ने कहा कि आज रोजगार महती आवश्यकता हैं। जो हमे आर्थिक रुप से सशक्त बनाती हैं। शासन की मंशानुसार प्रतिमाह जिले में रोजगार दिवस का आयोजन कर बेरोजगारों को स्वरोजगार से जोड़ने का भी कार्य किए जा रहे हैं ।जिसके माध्यम से हितग्राहियो को जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र, खादी एवं ग्राम उद्योगं, मत्स्य पालन, जिला शहरी विकास अभिकरण सहित अन्य विभागों द्वारा संचालित स्वरोजगार का लाभ प्रदान किया जा रहा हैं।

प्रभात फेरी के चौथे दिन सिख समाज ने राम भक्तों का किया आत्मीय स्वागत

छतरपुर/श्री राम सेवा समिति के तत्वाधान में अखिल ब्रह्मांड नायक मर्यादापुरुषोत्तम भगवान श्री राम के जन्म उत्सव को बड़ी धूमधाम से मनाने के लिए घर-घर आमंत्रण देने के लिए प्रतिदिन प्रभात फेरी निकाली जा रही है उसी क्रम में प्रभात फेरी के चौथे दिन समिति के दीपक गुप्ता ने राम भक्तों का तिलक कर भगवा ध्वज दिखाकर प्रभात फेरी की शुरुआत की यह प्रभात फेरी चौक बाजार से प्रारंभ होकर गल्ला मंडी सरानी दरवाजा, कृष्णप्रिया विहार कॉलोनी, बाईपास महोबा रोड, गुरुद्वारा के पास से जवाहर रोड होते हुए सागर रोड से देरी तिराहा वापस छत्रसाल चौक महल रोड होते हुए चौक बाजार में प्रभात फेरी का समापन किया गया।प्रभात फेरी प्रभारी गिरजा पाटकर ने बताया कि जहां एक ओर रामभक्तो का उत्साह देखा गया वहीं दूसरी ओर स्वागत करने वाले श्रद्धालुओं का राम भक्तों का बहुत ही आत्मीयता से स्वागत किया सरानी दरवाजा पर ज्योति रामजी गुप्ता के द्वारा गहोई धाम में सिद्धार्थ आनंद रावत के द्वारा तथा कृष्णप्रिया विहार कॉलोनी में राजेंद्र नीखरा , मनीष गुप्ता , पंकज गधी , दीपू गुप्ता तथा सागर रोड पर बालाजी सुपर स्टोर एवं प्रेम रूपा वाली गली में पवन सोनी के द्वारा एवं गुरुद्वारा पर सिख समाज के द्वारा पुष्प वर्षा कर एवं फूल माला पहनाकर तथा स्वालपहर खिलाकर राम भक्तों का आत्मीयता से स्वागत किया प्रभात फेरी के समापन के उपरांत सबसे सुंदर ध्वज लाने वाले शरद नामदेव को पहला पुरस्कार हर्ष जोशी को दूसरा सुनील राजपूत तीसरा पुरस्कार देकर हौसला बढ़ाया गया प्रभात फेरी में चल रहे सभी राम भक्तों की मौजूदगी में श्री राम सेवा समिति द्वारा 26 मार्च को महाराजा छत्रसाल के ध्वज को बदला जाएगा इस अवसर पर श्री राम सेवा समिति के अखिलेश मातेले ,दीपक गुप्ता ,पप्पू नेता अभिषेक मिश्रा , प्रदुम गुप्ता , लखन राजपूत , मगन पंडित सहित सैकड़ों राम भक्त मौजूद रहे

तवा बांध बाई तट मुख्य नहर में हरदा के लिए 28 मार्च एवं सिवनीमालवा के लिए 31 मार्च को छोड़ा जाएगा पानी

नर्मदापुरम । ग्रीष्मकालीन फसल मूंग की सिंचाई के संबंध में शुक्रवार को नर्मदापुरम कमिश्नर श्री श्रीमन् शुक्ला की अध्यक्षता में कमिश्नर कार्यालय में संभागीय जल उपयोगिता समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर नर्मदापुरम श्री नीरज कुमार सिंह, कलेक्टर हरदा श्री ऋषि गर्ग, मुख्य अभियंता तवा परियोजना श्री शिशिर कुशवाह, उपायुक्त श्रीमती अंजलि जोसेफ, अधीक्षण यंत्री तवा परियोजना श्री आर आर मीणा, अधीक्षण यंत्री जल संसाधन विभाग बैतूल श्री ए के डेहरिया, महाप्रबंधक एमपीईबी श्री बी एस परिहार सहित समिति सदस्य उपस्थित रहे।

बैठक में मूंग सिंचाई के लिए तवा मुख्य नहर पानी छोड़े जाने के संबंध में विस्तृत चर्चा कर का निर्णय लिया गया कि तवा बांध बाई तट मुख्य नहर में हरदा जिले के लिए 28 मार्च से एवं नर्मदापुरम जिले अंतर्गत सिवनी मालवा में 31 मार्च तथा इटारसी के लिए 4 अप्रैल से पानी छोड़ा जाएगा। वहीं दाई तट मुख्य नहर में पिपरिया संभाग के लिए 5 अप्रैल से पानी छोड़े जाएगा । बैठक में अधीक्षण यंत्री श्री मीणा ने जानकारी देते हुए बताया कि वर्तमान में तवा बांध का जल स्तर 1142.70 फीट एवं जल भराव क्षमता 851.47 मिलियन घनमीटर है। उन्हें बताया कि मूंग सिंचाई के लिए नर्मदापुरम जिले में 40000 हेक्टेयर एवं हरदा जिले में 37,760 हैक्टेयर रकबे में इस प्रकार कुल 77,760 हेक्टेयर में सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराना प्रस्तावित की गई हैं।

बैठक में कमिश्नर श्री शुक्ला ने नहरों की स्थिति की समीक्षा कर आवश्यक साफ-सफाई एवं मरम्मत कार्य शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश अधिकारियों को दिए। उन्हीनें कहा कि नहरों से पानी का दुरुपयोग न हो सुनिश्चित करें। जल संसाधन विभाग का अमला एवं जिला प्रशासन आपसी समन्वय से किसानों से संबंधित मुद्दों का त्वरित निराकरण कराएं। सिंचाई के दौरान जल संसाधन विभाग के द्वारा प्रभावी मॉनिटरिंग की जाए। उन्होंने एमपीईबी के अधिकारियों को बिजली की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सिंचाई अवधि के दौरान ट्रांसफार्मर खराब होने की दशा में उन्हें शीघ्र बदलने की कार्यवाही की जाए।

हितग्राही को प्रधानमंत्री स्व निधि योजना तहत दस हजार रुपये का ऋण स्वीकृति पत्र प्राप्त हुआ

विदिशा । प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना अंतर्गत लाभान्वित होने वाले की हितग्राही ऋण प्राप्त कर अपना स्वयं का रोजगार शुरु ही नहीं कर रहे बल्कि अपने पूर्व से संचालित व्यवसाय को आगे बढ़ाने में मदद ले रहे हैं।

प्रधानमंत्री स्व निधि योजना अंतर्गत आज रोजगार दिवस कार्यक्रम में कुरवाई विकासखंड के हितग्राही श्री आकाश चौबे ने दस हजार रुपये का ऋण स्वीकृति पत्र प्राप्त किया है वह अब स्वयं का रोजगार प्रारंभ कर सकेंगे। प्रधानमंत्री जी द्वारा प्रारंभ की गई छोटे व्यवसायियों के हित में पीएम स्वनिधि योजना के लिए हितग्राही श्री आकाश चौबे ने धन्यवाद प्रेषित किया है।

गौरतलब हो कि प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना अंतर्गत छोटे स्तर पर स्वयं का रोजगार प्रारंभ करने के लिए शुरुआत में दस हजार का ऋण प्राप्त होता है। यह राशि जमा कर देने के उपरांत बीस हजार तथा उसके बाद पचास हजार रुपए तक का ऋण हितग्राहियों को मुहैया कराया जाता है, ताकि वह अपने स्वयं के रोजगार को आगे बढ़ा सकें।

प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम तहत मिक्सचर मशीन के लिए प्राप्त हुआ पांच लाख का ऋण स्वयं का रोजगार स्थापित करने के लिए शासन द्वारा विभिन्न प्रकार की योजनाएं चलाई जा रही हैं। इन्हीं योजनाओं में एक प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम भी आता है। जिसका लाभ लेकर हितग्राहीगण स्वयं का रोजगार स्थापित ही नहीं कर रहे हैं बल्कि पूर्व से संचालित व्यवसाय को अग्रसर भी कर रहै हैं। प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम अंतर्गत विदिशा नगरीय क्षेत्र के मुखर्जी नगर क्षेत्र में निवास करने वाले श्री उमराव सिंह व उनके पुत्र ने मिक्सचर मशीन और सेंटिग की सामग्री क्रय की है। जिसकी सहायता से वह बड़ी-बड़ी बिल्डिंग निर्माण का कार्य कर सकेंगे। श्री उमराव सिंह और उनके पुत्र पूर्व में भी इसी कार्य को कर रहे थे। लेकिन उन्हें लिफ्टिंग मिक्सचर मशीन की आवश्यकता थी। जिसके लिए उन्होंने इस कार्यक्रम अंतर्गत पांच लाख रुपए का ऋण केनरा बैंक से प्राप्त किया है। इसके लिए उन्होंने प्रधानमंत्री जी और मुख्यमंत्री जी को धन्यवाद दिया है।

मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना का लाभ लेकर हितग्राही श्री अनिल ने स्वयं का रोजगार स्थापित किया : मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के द्वारा प्रारंभ की गई नवीनतम योजनाओं में शामिल मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना स्वरोजगार के क्षेत्र में क्रांति लेकर आई है। इस योजना का लाभ लेकर प्रदेश ही नहीं बल्कि विदिशा जिले के युवा भी ऋण प्राप्त कर अपना स्वयं का रोजगार प्रारंभ कर रहे हैं। इसी क्रम में आज रोजगार दिवस कार्यक्रम के दौरान विदिशा नगरीय क्षेत्र के बंटी नगर क्षेत्र में निवास करने वाले श्री अनिल मेहरा मो. 8839111995 को ऑटो क्रय कर स्वयं का रोजगार प्रारंभ करने के लिए ऋण मुहैया कराया गया है। जिसका स्वीकृति पत्र कार्यक्रम में अतिथियों के द्वारा उन्हें प्रदान किया गया है।

श्री अनिल मेहरा बताते हैं कि वह आठवीं कक्षा तक पढ़े हुए हैं। आठवीं कक्षा पास करने के बाद स्वयं का रोजगार स्थापित करना चाह रहे थे। तभी उन्हें मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना की जानकारी लगी। उन्होंने तुरंत ही इस योजना के तहत जानकारी प्राप्त कर आवेदन किया और आज उन्हें तीन लाख रुपये का लोन बिना किसी गारंटी के बैंक ऑफ बड़ौदा के माध्यम से प्राप्त हुआ है। मुख्यमंत्री जी द्वारा प्रारंभ की गई इस नवीनतम योजना के लिए हितग्राही श्री अनिल ने मुख्यमंत्री जी को धन्यवाद दिया है।

फिनो पेमेंट्स बैंक ने सूर्योदय एसएफबी की उच्च ब्याज दर देने वाली सावधि जमा सेवा दूरदराज के ग्रामीण और सेवाओं से वंचित इलाकों तक पहुँचाई

मुंबई, एजेंसी। इस वित्तवर्ष आरबीआई का अनुमोदन मिलने के बाद फिनो पेमेंट्स बैंक (''फिनो बैंक'', ''द बैंक'') ने अपने साझेदार बैंक, सूर्योदय स्मॉल फाईनेंस बैंक (एसएसएफबी) की सावधि जमा (एफडी) के लिए रिफरल सेवाएं देना शुरू किया है। पिछले सालों में एफडी बचत और निवेश का सबसे पसंदीदा माध्यम बन गई है। साल 2017 में सेबी द्वारा किए गए एक सर्वे में सामने आया कि 95 प्रतिशत से ज्यादा भारतीय परिवार एफडी में पैसा रखना पसंद करते हैं। हालाँकि ग्रामीण इलाकों में एफडी सेवाओं का विस्तार कम है, और इस संदर्भ में फिनो बैंक और एसएसएफबी का गठबंधन बहुत महत्वपूर्ण हो गया है। ग्रामीण भारत में डिजिटल सेवाओं का उपयोग बढ़ने के साथ एसएसएफबी की एफडी सेवाएं अब फिनो बैंक के मोबाईल ऐप, फिनोपे और विस्तृत तौर पर फैले फिजिटल नेटवर्क द्वारा प्राप्त की जा सकती हैं। टियर 2 और टियर 3 शहरों और दूरदराज के इलाकों में फैले बैंक के विस्तृत नेटवर्क द्वारा एफडी सेवाओं की उपलब्धता बढ़ेगी और परिवारों द्वारा एफडी करवाकर घरेलू बचत बढ़ाने में मदद मिलेगी। फिनो बैंक और एसएसएफबी की एफडी सेवाओं का उद्देश्य ग्राहकों के फंड की सुरक्षा और वृद्धि करना है। यह सेवा शुरुआत में फिनो बैंक के मौजूदा 67 लाख एवं नए ऑनबोर्ड होने वाले कासा ग्राहकों को उपलब्ध होगी। ग्राहक बैंक के ऑम्नी-प्लेटफॉर्म चैनल्स, यानि फिनोपे ऐप, शाखा, एवं देश में 6 लाख से ज्यादा प्वाईंट्स के नेटवर्क,इनमें से किसी के भी माध्यम से एफडी करवा सकते हैं। एक साल की अवधि वाली एफडी रैगुलर और सीनियर सिटिज़न की श्रेणियों में उपलब्ध हैं। ग्राहक 1 साल की अवधि के लिए 10 लाख रु. तक की एफडी एसएसएफबी की मौजूदा ब्याज दर (वर्तमान में 6.85 प्रतिशत) पर बुक कर सकते हैं, वरिष्ठ नागरिकों को इस एफडी पर 0.5 प्रतिशत ज्यादा ब्याज दर (वर्तमान में 7.35 प्रतिशत) का लाभ मिलेगा। यदि कोई एफडी को परिपक्वता की अवधि पूरी होने से पहले उसे बंद कराएगा, तो उसे एफडी बंद कराने से पहले की अवधि, यानि जब तक धनराशि एफडी में रहती है, तब तक के लिए लागू ब्याज दर का लाभ मिलेगा, और उसे समयपूर्व एफडी बंद कराने के लिए कोई पैनल्टी भी नहीं देनी पड़ेगी।

लैंक्सेस की बिक्री और आय में वित्त वर्ष 2022 में उल्लेखनीय वृद्धि

मुंबई, एजेंसी। लैंक्सेस ने कई उतार-चढ़ाव के बीच वित्त वर्ष 2022 का सफलतापूर्वक समापन किया है। विशेष रसायन निर्माता कंपनी की बिक्री और कमाई में उल?लेखनीय बढ़ोतरी हुई है।2022 में समूह की बिक्री 8.088 बिलियन यूरो रही, जो पिछले वर्ष के 6.101 बिलियन यूरो के आंकड़े से 32.6 प्रतिशत अधिक है। पूर्व असाधारण एबिटा एक साल पहले के 815 मिलियन यूरो की तुलना में 14.1 प्रतिशत बढ़कर 930 मिलियन यूरो हो गया। इस वजह से कमाई हाल ही में जाहिर किए गए अनुमान 900 मिलियन यूरो से 950 मिलियन यूरो की अनुमानित सीमा के भीतर रही। लैंक्सेस के सीईओ मैथियास जैशर्ट ने कह, हमने 2022 में सफलतापूर्वक महारत हासिल की और प्रतिकूल परिस्थितियों के बावजूद अपनी कमाई में वृद्धि की। यह बताता है कि लैंक्सेस किसी भी चुनौतियों का सामना करने में सक्षम है। हमारी रणनीति कसौटी पर खरी उतरी है। हमारे उत्पाद बाजार अग्रणी है, जिसका हमें लाभ मिला। हम अत्यधिक लागत वृद्धि को पूरी तरह से हस्तांतरित करने में सफल रहे हैं। इसके अलावा, हमने विशेष रसायनों पर अपना ध्यान केंद्रित किया और उत्तरी अमेरिका में अपनी उपस्थिति को मजबूत किया। यह अतिरिक्त स्थिरता और विकास प्रदान करता है। उन्होंने कहा, हालांकि, 2023 आसान नहीं होगा। 2022 की अंतिम तिमाही में हमने जो मांग में कमी महसूस की थी, वह वर्तमान में नए साल में भी जारी है। लेकिन मुझे विश्वास है कि हम अपनी स्थिर स्थिति की बदौलत इस आर्थिक मंदी से उबर जाएंगे। पूर्व असाधारण एबिटा मार्जिन एक साल पहले के 13.4 प्रतिशत की तुलना में 11.5 प्रतिशत पर पहुंच गया। यह गिरावट उल्लेखनीय रूप से बढ़ी हुई लागतों और कम बिक्री की वजह से हुई।निरंतर संचालन से शुद्ध आय में 60.0 प्रतिशत की काफी वृद्धि हुई और यह 184 मिलियन यूरो रही, जबकि एक साल पहले यह 115 मिलियन यूरो थी। इसमें उच्च प्रदर्शन सामग्री व्यवसाय इकाई के परिणाम शामिल नहीं हैं, जो बंद हो गया था और जिसे एक बंद ऑपरेशन के रूप में रिपोर्ट किया गया था।

कुकरीजॉकी मिलेट्स रेसिपी कांटेस्ट का आयोजन

इंदौर/ सेलम एजेंसी। मिलेट्स के प्रसिद्ध ब्रांड कुकरीजॉकी ने राष्टीय स्तर की कुकरीजॉकी मिलेट्स व्यंजन प्रतियोगिता के आयोजन की घोषणा की, जिसमें 100 से अधिक मिलेट से बनी रेसिपी को पुरस्कृत किया जाएगा । मिलेट्स का एशिया सहित दुनिया के कई हिस्सों में छोटे बीज वाले अन्न के रूप में उपयोग किया जाता है। यह ग्लूटेन मुक्त तो होता ही है, साथ ही फाइबर, प्रोटीन और विटामिन जैसे पोषक इम्यून तत्वों से भरपूर होता है। मिलेट्स का उपयोग विभिन्न प्रकार के व्यंजनों में किया जा सकता है, जिसमें दलिया, सूप, सलाद, रोटी आदि शामिल हैं। इन्हें चावल या अन्य अनाजों की तरह उबालकर या भाप में पकाकर भी पकाया जा सकता है । कुकरीजॉकी मिलेट्स रेसिपी कांटेस्ट एक रोमांचक पहल है जो खाने की स्वस्थ आदतों को बढ़ावा देती है और रसोई में रचनात्मकता को प्रोत्साहित करती है। भोजन के प्रति उत्साही लोगों के लिए अपने कौशल का प्रदर्शन करने और अपने प्रयासों के लिए पहचाने जाने का यह एक शानदार अवसर है ।कुकरीजॉकी मिलेट्स के निर्माता साबु ट्रेड, सेलम के चैयरमेन श्री गोपाल साबु ने बताया कि अंतर्राष्ट्रीय मिलेट वर्ष 2023 में आहार में गुणवत्तायुक्त विविधता लाने के लिए पोषक मिलेट्स का उपयोग कर घर घर में मिलेट के स्वादिष्ट व्यंजन बनाने के उद्देश्य से इस प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है जिसमें 150, 100 और 70 ग्राम के तीन चांदी के मैडल तथा 100 गिफ्ट हैम्पर पुरस्कार के रूप में दिए जायेंगे ।

उडेमी की नई रिपोर्ट : भारत में क्लाउड, डेटा और दूसरे आईटी कोर्सेज के लिए सबसे ज्यादा माँग

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑनलाइन शिक्षा ग्रहण करने तथा पठन-पाठन के लिए प्रमुख प्लेटफॉर्म उडेमी के पास दुनिया में 200,000 से ज्यादा ऑनलाइन कोर्सेज का सबसे बड़ा कैटलॉग है। हाल ही में उडेमी की 2023 वर्कप्लेस लर्निंग ट्रेंड्स रिपोर्ट जारी की है। इस रिपोर्ट में सबसे ज्यादा माँग वाली उन व्यावसायिक, तकनीकी और व्यक्तिगत कुशलताओं पर प्रकाश डाला गया है जिसे सीखने के लिए शिक्षार्थियों द्वारा उडेमी एंटरप्राइज लर्निंग सोल्यूशन, उडेमी बिजनेस का प्रयोग किया जाता है। भारत में टॉप स्किल्स पर केंद्रित डेटा से यह तथ्य खासतौर उभरकर सामने आया है कि क्लाउड कंप्यूटिंग स्किल्स प्रमुख क्षेत्र बना हुआ है। 2023 में पब्लिक क्लाउड इंफ्रास्ट्रक्चर पर खर्च होने वाली राशि में 27 फीसदी की बढ़ोतरी की उम्मीद है। अब जब कंपनियाँ इस क्षेत्र में अच्छा-खासा निवेश करने के लिए तैयार हैं तो 2026 तक सभी आईटी उपक्रमों की ओर से पब्लिक क्लाउड पर खर्च होने वाली राशि में 45 फीसदी से ज्यादा की बढ़ोतरी होने की उम्मीद है। यह 2025 में पारंपरिक आईटी क्षेत्र में खर्च होने वाली रकम से अधिक होगी। लर्निंग ट्रेंड्स रिपोर्ट में बताया गया है कि 2022 में कंपनियों की ओर से कर्मचारियों को टेक्निकल स्किल्स सिखाने में बिताए जाने वाले समय में 49 फीसदी की सालाना बढ़ोतरी हुई है। भारत में जॉब मार्केट काफी तेज रफ्तार से बढ़ रहा है, जहाँ अगले पाँच वर्षों में 40 प्रतिशत भारतीय कर्मचारियों को नई स्किल्स सीखने की जरूरत पड़ेगी। 60 प्रतिशत लोगों को बाजार में प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार होने में नए कौशल से लैस होना पड़ेगा।

बीआईएस ने एक बार फिर सूर्या रोशनी को उत्कृष्ट प्रबंधन प्रणाली के लिए सम्मानित किया

नई दिल्ली, एजेंसी। सूर्या रोशनी लिमिटेड के मालनपुर लाइटिंग प्लांट (फैक्टरी) को मैनेजमेंट सिस्टम्स लाइसेंसी प्रोग्राम में सम्मानित किया जिसका आयोजन बीआईएस मैनेजमेंट सिस्टम्स सर्टिफिक्रेशन विभाग, सेंट्रल रीजनल ऑफिस नई दिल्ली ने किया था।

आयोजन का उद्देश्य पूरे देश के उन व्यवसायों को सम्मानित करना था जिनकी प्रबंधन प्रणाली सदैव आईएसओ जैसे अंतर्राष्ट्रीय मानकों का पालन करती है। इन मानकों में विभिन्न उद्योगों के संगठन शामिल किए गए हैं। पूरे देश के विभिन्न संगठनों ने इस आयोजन में भागीदारी की।

सूर्या रोशनी यह सम्मान प्राप्त करने और लगातार इस तरह के सिस्टम सर्टिफिक्रेशन्स कायम रखने वाली एकमात्र लाइटिंग फैक्टरी थी जिसने टॉप लीडरशिप का परिचय देते हुए उत्पाद की सर्वश्रेष्ठ क्वॉलिटी, पर्यावरण, स्वास्थ्य, कर्मचारियों की सुरक्षा और सम्मानित ग्राहकों को बेहतर उत्पाद-सेवा दी है। मालनपुर लाइटिंग फैक्टरी को यह सम्मान सदैव क्वॉलिटी प्रबंधन प्रणाली, पर्यावरण प्रबंधन प्रणाली, व्यावसायिक स्वास्थ्य और सुरक्षा प्रबंधन प्रणाली के अनुपालन के लिए दिया गया है। सूर्य रोशनी को सम्मानित करते हुए डॉ.आर.के. त्यागी, डिप्टी डायरेक्टर

जनरल, सिस्टम्स सर्टिफिक्रेशन डिपार्टमेंट, सेंट्रल रीजनल ऑफिस, बीआईएस ने कहा - ''हमें सूर्या रोशनी सहित उन सभी लाइसेंसियों को यह मान्यता देने की प्रसन्नता है जिन्होंने एक बार फिर अपने नाम का मान रखा है और क्वॉलिटी, पर्यावरण और सुरक्षा संबंधी योगदान देने का प्रमाण दिया है। इस उद्योग में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले सभी संगठनों को यह मान्यता देना हमारे लिए सम्मान की बात है।

सूर्या रोशनी में लाइटिंग एवं कंज़्यूमर ड्यूरेबल्स के सीईओ श्री जीतेंद्र अग्रवाल ने कहा ''बीआईएस से यह मान्यता प्राप्त कर हम सम्मानित महसूस करते हैं। सूर्या में हमारी टीम की कोशिश क्वॉलिटी और सस्टेनेबिलिटी के लक्ष्यों को पूरा करना ही नहीं बल्कि उम्मीदों से बढ़ कर परिणाम देना है। हर दिन बेहतर करने का जो जुनून और समर्पण हमारी टीम में है वह देखने लायक है। सूर्या रोशनी की मालनपुर फैक्टरी में पीडीसीए दिशानिर्देश अपनाने और सिस्टम के अनुपालन में शीर्ष प्रबंधन की सक्रिय भागीदारी देखते हुए बीआईएस के प्रबंधन प्रणाली प्रमाणन विभाग न सूर्या की विशेष सराहना की है। 1973 में अपनी स्थापना के बाद से, सूर्या रोशनी एक ऐसा संगठन है, जिसने अपने लाइटिंग और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स व्यवसाय को विकसित किया है और स्टील पाइप्स तथा स्ट्रिप्स व्यवसाय में खास स्थान बनाया है। कंपनी ने 1973 में स्टील ट्यूब के निर्माण के साथ शुरुआत की, फिर 1984 में लाइटिंग, 2010 में च्टब् पाइप और 2014-15 में पंखे तथा घरेलू उपकरणों जैसे कंज्यूमर ड्यूरेबल्स के क्षेत्र में कदम रखा। सूर्या स्टील पाइप्स और स्ट्रिप्स व्यवसाय प्रोडक्ट्स की एक विस्तृत श्रृंखला का निर्माण करता है और भारत में पाइपों का सबसे बड़ा निर्माता है और पाइप्स का सबसे बड़ा निर्यातक है। 2018 में 3एलपीई कोटिंग सुविधा इकाई की स्थापना के साथ व्यवसाय और मजबूत हुआ है।

अमेजन बिजनेस ने एंड ऑफ फाइनेंशियल ईयर सेल इवेंट में एमएसएमई के लिए पेश कीं आकर्षक डील्स

मुंबई, एजेंसी। अमेजन बिजनेस अपने कारोबारी ग्राहकों को एंड ऑफ फाइनेंशियल ईयर सेल इवेंट में शानदार डील्स के साथ अपनी सभी अटकी खरीदारी पूरी करने का मौका दे रहा है। इसके लिए अमेजन ने एंड ऑफ फाइनेंशियल ईयर सेल इवेंट शुरू करने की घोषणा की है। यह आयोजन बी2बी ग्राहकों को अपने कारोबार के लिए आवश्यक चीजें खरीदने में मदद करेगा। साथ ही अधिक बचत करने के लिए ग्राहकों को इंक्रीमेंटल कैशबैक और छूट प्राप्त करने में सहायक होगा। व्यावसायिक ग्राहक इस सेल के जरिए कंप्यूटर एवं एक्सेसरीज, इलेक्ट्रॉनिक अप्लायंसेस, ऑफिस प्रोडक्ट, ऑफिस इंप्रूवमेंट प्रोडक्ट, ऑफिस किचन प्रोडक्ट, इंडस्ट्रियल एवं साइंटिफिक जैसी विभिन्न कैटेगरी में 10त्न तक अतिरिक्त कैशबैक का लाभ उठा सकते हैं। पहली बार खरीदारी करने वाले ग्राहक चुनिंदा श्रेणियों में 25त्न तक कैशबैक का आनंद ले सकते हैं। ग्राहक लैपटॉप पर 30त्न तक की छूट और मॉनिटर, एसी और रेफ्रिजरेटर पर 40त्न तक की छूट के साथ 5000 से अधिक उत्पादों पर बिजनेस एक्सक्लूसिव प्राइस और बल्क डील का लाभ उठा सकते हैं। इन फायदों के अलावा, एमएसएमई अपनी व्यापारिक खरीद को और अधिक कुशल और किफायती बनाने के लिए मल्टी-यूजर अकाउंट, पे लेटर, बिल टू शिप टू और अप्रूवल जैसे अन्य फीचर्स का भी उपयोग कर सकते हैं। फाइनेंशियल ईयर एंड सेल का उद्देश्य टॉप कैटेगरी में 16 करोड़ से अधिक जीएसटी सक्षम उत्पादों को रोमांचक कीमतों पर उपलब्ध कराते हुए एमएसएमई को सशक्त बनाना है। अमेजन बिजनेस के मौजूदा ग्राहक अपने बिज़नेस अकाउंट पर साइन इन करने के बाद इवेंट के बारे में अधिक जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

शाओमी इंडिया लांच कर रहा है दो नए स्मार्टफोन - रेडमी 12सी और रेडमी नोट 12

नई दिल्ली, एजेंसी। देश का अग्रणी स्मार्टफोन ब्रांड, शाओमी इंडिया दो नए बजट स्मार्टफोन लॉन्च करने की तैयारी कर रहा है। यह 30 मार्च 2023 को भारतीय ग्राहकों के लिए रेडमी 12सी और रेडमी नोट 12 लेकर आ रहा है। ईमानदार मूल्यों में अतुलनीय विशेषताएं प्रदान करने की शाओमी की अटल प्रतिबद्धता के साथ ये स्मार्टफोन टेक्नॉलॉजी का पॉवरहाउस हैं।

हाउस ऑफ रेडमी की ओर से ये दो डिवाईसेज़ किफायती मूल्य में उपभोक्ताओं की सभी जरूरतों को पूरा करने का विस्तृत समाधान लेकर आई हैं। भारत में रेडमी 12सी के साथ स्टाईलिश डिज़ाईन और मजबूत मीडियाटेक हीलिया जी85 चिपसेट मिल रहा है, जिसके कारण यह अपने सेगमेंट का सबसे तेज स्मार्टफोन होगा। साथ ही रेडमी नोट 12 'सुपरनोट रेडमी नोट 12 सीरीज़' की अपार सफलता को आगे बढ़ाएगा, जो भारत में अपने लॉन्च के दो महीनों में ही 1,000 करोड़ रु. से ज्यादा के स्मार्टफोन बेच चुकी है। रेडमी 12सी में स्टाईलिश और शानदार डिज़ाईन है। इसमें रियर-माउंटेड फिंगरप्रिंट सेंसर है। यह डिवाईस मीडिया टेक हीलियो जी85 चिपसेट के साथ अत्यधिक तेज परफॉर्मेंस प्रदान करती है। इसमें 6जीबी की रैम और 128जीबी स्टोरेज है। 6.71 इंच के एचडी+ डिस्प्ले के साथ यह डिवाईस 500 निट्स की पीक ब्राईटनेस प्रदान करती है। शानदार फोटो लेने के लिए रेडमी 12सी में ड्युअल बैक कैमरा सेटअप दिया गया है। इसमें 50 मेगापिक्सल के प्राईमरी कैमरा सेंसर के साथ सेल्फीप्रेमियों के लिए 5 मेगापिक्सल का फ्रंट कैमरा है। यह डिवाईस चार आकर्षक रंगों - मैट ब्लैक, रॉयल ब्लू, मिंट ग्रीन, और लैवेंडर पर्पल में दो वैरिएंट 4जीबी+64जीबी और 6जीबी+128जीबी में मिलेगी।रेडमी नोट सीरीज़ के स्टाईल को और ज्यादा बेहतर बनाते हुए आगामी रेडमी नोट 12 अद्वितीय सनराईज़ गोल्ड कलर में उपलब्ध होगा। यह स्नैपड्रैगन 685 प्रोसेसर के साथ दुनिया का पहला स्मार्टफोन होगा, जो बहुत ही तेज प्रोसेसिंग और सुगम परफॉर्मेंस प्रदान करेगा। 6.67'' के सुपर एमोलेड डिस्प्ले और 7.8 मिमी. की थिकनेस के साथ यह अब तक का सबसे स्लीक सुपरनोट है। इसमें ट्रिपल रियर कैमरा सेटअप है, जिसमें 50 मेगापिक्सल का प्राईमरी सेंसर और 8 मेगापिक्सल का अल्ट्रावाईड कैमरा है। सेल्फी के लिए इसमें 13 मेगापिक्सल का फ्रंट कैमरा है।

कैनन इंडिया ने 16 नए एडवांस्ड प्रिंटर लॉन्च किए

मुंबई, एजेंसी। अग्रणी डिजिटल इमेजिंग कंपनियों में से एक, कैनन ने इनोवेशन की अपनी विरासत को आगे बढ़ाते हुए आज भारत में 16 प्रिंटर्स की एक नई श्रृंखला लॉन्च करके पिक्समा, मैग्ज़ीफाई और इमेजक्लास सीरीज में अपने बढ़ते हुए पोर्टफोलियो को मजबूत किया। प्रिंटर्स की इस नई श्रृंखला के साथ, कैनन इंडिया ने प्रिंटर्स के काम को नई परिभाषा देकर उपभोक्ताओं को अपनी डिजिटल अभिव्यक्तियों को जीवंत करने की शक्ति दी है, और उनकी कल्पनाशीलता का विस्तार किया है। पिक्समा प्रिंटर उच्च प्रिंट क्षमता और किफायती प्रिंटिंग के साथ उत्पादकता बढ़ाते हैं। आसानी से इंक की रिफिल और विशाल इंक भंडार इस सीरीज़ के मुख्य फायदे हैं, जिसे घर और छोटे ऑफिसेज़ के लिए सुगम ऑपरेशन संभव बनता है, और प्रिंटिंग के बीच में इंक खत्म होने की संभावना कम हो जाती है।पिक्समा जी1730, जी2730, जी3730 में नई जीआई 71एस इंक बोतलें हैं। मध्यम प्रिंट वॉल्यूम के लिए उपयोगकर्ता अब सस्ती इंक रिफिल बोतलें चुन सकते हैं जो 3,900 तक ब्लैक एवं व्हाईट पेज और 4,600 तक रंगीन पेज1 प्रिंट कर सकती हैं। ज्यादा प्रिंट वॉल्यूम वाले उपयोगकर्ता स्टैण्डर्ड इंक बोतलें चुन सकते हैं जो 7,600 तक ब्लैक एवं व्हाईट पेज एवं 8,100 तक रंगीन पेज तक प्रिंट कर सकती हैं। इसलिए बार-बार इंक रिफिल करने की जरूरत नहीं पड़ती। मैक्सिफाई जीएक्स श्रृंखला के प्रिंटर्स से कम लागत में प्रिंटिंग और वाटर-रज़िस्टैंट प्रिंटआउट्स प्राप्त होते हैं। यह रिफिलेबल इंक टैंक सिस्टम के साथ छोटे एवं मध्यम व्यवसायों के लिए बेहतरीन विकल्प हैं और उत्पादकता में सर्वाधिक लाभ प्रदान करते हैं।

31 मार्च तक किये गए म्युचुअल फंड के निवेश पर जारी रहेंगे दीर्घकालिक पूंजीगत लाभ

नई दिल्ली, एजेंसी। नया वित्त वर्ष 2023-24 शुरू होने में अब कुछ ही दिन बचे हैं। इसके पहले महीने यानी अप्रैल में बैंकों में 15 दिन कामकाज नहीं होगा। देश में कई वजहों से अलग-अलग जगहों पर 9 दिन बैंकों में कामकाज नहीं होगा। इनके अलावा 5 रविवार और 2 शनिवार को भी बैंक बंद रहेंगे। इस महीने की शुरुआत दो दिनों की छुट्टी के साथ होगी। 1 अप्रैल को बैंक खातों की सालाना क्लोजिंग और 2 अप्रैल को रविवार के कारण बैंकों में कामकाज नहीं होगा। इसके बलावा अप्रैल में इस बार अंबेडकर जयंती, महावीर जयंती, ईद-उल-फित्र सहित कई और मौकों पर बैंक बंद रहेंगे। इस महीने अलग-अलग जगहों के हिसाब से 3 लॉन्ग वीकेंड पड़ रहे हैं। पहला 7 से 9 अप्रैल, दूसरा 14 से 16 अप्रैल और तीसरा 21 से 23 अप्रैल। इसके अलावा यह महीना छुट्टी के साथ खत्म होगा। 30 अप्रैल को रविवार है।

पूरे भारत के 12 लॉ स्कूलों में प्रवेश के लिए एलएसएटी-इंडिया 2023 जून सत्र के लिए पंजीकरण शुरू

दिल्ली। जून सत्र के लिए एलएसएटी-इंडिया 2023 के लिए आवेदन फार्म भरने की प्रक्रिया 23 मार्च से शुरू की जा चुकी है। रजिस्ट्रेशन विंडो 26 मई 2023 तक खुली रहेगी। विश्व स्तर पर लॉ स्कूल प्रवेश के दिग्गज लॉ स्कूल एडमिशन काउंसिल (एलएसएसी) ने इसे डिजाइन किया है और पियरसन व्यू (क्द्धड्डह्यश्रठ्ठ ङ्कश्व) इन परीक्षाओं को आयोजित कराता है। 'एलएसएटी इंडिया' भारत भर के संस्थानों में एक स्थान सुरक्षित करने के इच्छुक संभावित उम्मीदवारों के लिए अग्रणी लॉ स्कूल प्रवेश परीक्षा है। उम्मीदवारों को अपने प्राप्त स्कोर के अनुसार कार्यक्रम से संबद्ध 12 संस्थानों में प्रवेश लेने का मौका प्राप्त होता है।

संस्थानों की सूची- 1. जिंदल ग्लोबल लॉ स्कूल, ओ.पी। जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी 2. यूपीईएस 3. बीएमएल मुंजाल विश्वविद्यालय 4. जीडी गोयनका विश्वविद्यालय 5. ङ्कढ्ढञ्ज चेन्नई स्कूल ऑफ लॉ 6. एलायंस यूनिवर्सिटी 7. प्रेसीडेंसी यूनिवर्सिटी 8. एशियन लॉ कॉलेज 9. आईएसबीआर लॉ कॉलेज 10. लॉयड लॉ कॉलेज 11. मेवाड़ यूनिवर्सिटी 12. शोभित यूनिवर्सिटी

जून पंजीकरण विंडो 26 मई, 2023 को बंद हो जाएगी। परीक्षा की टेस्ट शेड्यूलिंग 17 अप्रैल से 29 मई 2023 से उपलब्ध होगी। जून सत्र की परीक्षा 8 जून से 11 जून 2023 तक कई स्लॉट में आयोजित की जाएगी। संभावित उम्मीदवारों को अपनी परीक्षा को पंजीकृत करने और शेड्यूलिंग के लिए 222.द्यह्यड्डह्लद्बठ्ठस्त्रद्बड्ड वेबसाइट पर जाना होगा।

जनवरी 2023 पंजीकरण विंडो की सफलता के बाद ओ.पी. जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी में लॉ एडमिशन निदेशक और जिंदल ग्लोबल लॉ स्कूल (जेजीएलएस) के एसोसिएट डीन प्रोफेसर आनंद प्रकाश मिश्रा ने कहा, ञ्चहमारे 5 साल के बीकॉम एलएलबी, बीए एलएलबी और बीबीए एलएलबी ऑनर्स प्रोग्राम में 100 प्रतिशत सीटें सिर्फ रुस्ञ्ज–ढ्ठस्त्रद्बड्ड स्कोर के आधार पर भरी जाती हैं। इसके अलावा, जिंदल ग्लोबल लॉ स्कूल में अध्ययन करने के लिए 10त्न से लेकर 75त्न तक की 400 से अधिक छात्रवृत्तियां एलएसटी-इंडिया स्कोर के आधार पर प्रदान की जाती हैं, अगर माता-पिता की आय निर्धारित सीमा के भीतर है। एलएसएटी-इंडियाञ्ज भारत में कानून की पढ़ाई करने के इच्छुक हर व्यक्ति के लिए जून 2023 सत्र जरूरी है, चाहे आप 5 साल के कानून प्रोग्राम , 3 साल के एलएलबी या एक साल के एलएलएम कार्यक्रमों का लक्ष्य रखते हों।

मिश्रा ने बताया, एलएसएटी-इंडिया जनवरी 2023 के परिणामों के अनुसार 500 से अधिक छात्रों को पहले ही जेजीएलएस में प्रवेश मिल चुका है। वह आगे कहते हैं, छात्रों के लिए जून 2023 की परीक्षा के लिए पंजीकरण करने और अगर वे छ्वत्रुस् में एडमिशन चाहते हैं तो पूरी तैयारी के साथ इसमें भाग लेने का ये सही समय है। मैं एक अकादमिक दृष्टिकोण से जोड़ना चाहता हूं कि हमारे देश में कोई भी कानून प्रवेश परीक्षा इस परीक्षा के वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मौलिकता और उच्च मानकों से मेल नहीं खाती है। सभी छात्र, भले ही वे किसी भी लॉ स्कूल में शामिल होने की इच्छा रखते हों, उन्हें अपने लॉजिक और रीजनिंग स्किल और कानून का अध्ययन करने की उपयुक्तता का आकलन करने के लिए एलएसएटी-इंडिया की परीक्षा देनी चाहिए।

20 पैसे के स्टॉक ने दो साल में ही 1 लाख को बना दिया 3.46 करोड़

नई दिल्ली, एजेंसी। शेयर बाजार में पैसे लगाकर कोई भी करोड़पति बन सकता है। हालांकि, इसके लिए उन्हें क्वालिटी शेयरों को चुनना चाहिए और साथ ही धैर्य बनाए रखना चाहिए। आज हम एक ऐसे पेनी स्टॉक की बात कर रहे हैं जिसने कम समय में अपने निवेशकों को तगड़ा रिटर्न देकर मालामाल किया है। यह शेयर राज रेयॉन इंडस्ट्रीज का है। राज रेयॉन इंडस्ट्रीज के शेयर उन मल्टीबैगर शेयरों में से एक हैं जिसने कम समय में अपने निवेशकों को करोड़पति बनाने का काम किया है।

सालभर में ही 4,100 पर्सेंट का रिटर्न: यह स्मॉल-कैप पेनी स्टॉक पिछले एक साल में मल्टीबैगर स्टॉक बन गया, क्योंकि इस दौरान यह लगभग 1.65 प्रति शेयर से बढ़कर 69.20 प्रति शेयर पर आ गया। यानी सालभर में इसने अपने निवेशकों को लगभग 4,100 प्रतिशत रिटर्न दिया है। वहीं, पिछले दो सालों में यह मल्टीबैगर पेनी स्टॉक 0.20 से बढ़कर 69.20 प्रति शेयर हो गया है, जिससे इसके निवेशकों को लगभग 3,45,000 प्रतिशत रिटर्न मिला है।

यह मल्टीबैगर पेनी स्टॉक पिछले एक महीने से बेस बिल्डिंग मोड में बना हुआ है, इस दौरान इसमें करीब 10 फीसदी की गिरावट आई है। हालांकि, साल-दर-साल समय में इस मल्टीबैगर स्टॉक ने 36.90 से 69.20 प्रति शेयर तक पहुंच गए, जिससे इसके शेयरधारकों को 85 प्रतिशत रिटर्न मिला है। पिछले छह महीनों में यह मल्टीबैगर स्मॉल-कैप स्टॉक 16.20 से बढ़कर 69.20 प्रति शेयर हो गया है, जिससे इसके शेयरधारकों को लगभग 325 प्रतिशत रिटर्न मिला है। पिछले एक साल में, यह मल्टीबैगर स्टॉक 1.65 से बढ़कर 69.20 प्रति शेयर के स्तर पर पहुंच गया है। यानी 4,100 प्रतिशत का रिटर्न दिया है। इसी तरह, पिछले दो सालों में यह पेनी स्टॉक 0.20 से 69.20 के स्तर पर पहुंच गया है, इस समय में 3,45,000 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

राज रेयॉन इंडस्ट्रीज के शेयर प्राइस हिस्ट्री के मुताबिक, अगर एक निवेशक ने एक महीने पहले इस मल्टीबैगर स्टॉक में 1 लाख का निवेश किया होता तो इस समय में उसका 1 लाख 90,000 हो जाता। हालांकि, यदि किसी निवेशक ने नए साल 2023 की शुरुआत में इस मल्टीबैगर पेनी स्टॉक में 1 लाख का निवेश किया था, तो उसका 1 लाख ङ्खञ्जष्ठ समय में 1.85 लाख हो गया होगा। अगर किसी निवेशक ने छह महीने पहले इस मल्टीबैगर स्टॉक में 1 लाख का निवेश किया होता, तो उसका 1 लाख आज 4.25 लाख में बदल गया होता। इसी तरह अगर किसी निवेशक ने एक साल पहले इस पेनी स्टॉक में 1 लाख रुपये का निवेश किया होता, तो उसका 1 लाख रुपये आज 42 लाख रुपये हो जाता। इसी तरह अगर किसी निवेशक ने दो साल पहले इस मल्टीबैगर स्टॉक में 1 लाख का निवेश किया होता, तो उसका 1 लाख आज 3.46 करोड़ हो जाता, बशर्ते निवेशक इस अवधि के दौरान इस स्टॉक में निवेशित रहता।

एचडीएफसी लाइफ रिटायरमेंट पोर्टफोलियो एचडीएफसी लाइफ स्मार्ट पेंशन प्लस के साथ मजबूत

मुंबई, एजेंसी। भारत की अग्रणी जीवन बीमा कंपनियों में से एक एचडीएफसी लाइफ ने स्मार्ट पेंशन प्लस लॉन्च किया है - एक ऐसी योजना जो ग्राहकों को सेवानिवृत्ति के बाद नियमित और गारंटीशुदा आय के रूप में वित्तीय स्वतंत्रता प्राप्त करने में सक्षम बनाती है। एचडीएफसी लाइफ स्मार्ट पेंशन प्लस उन लोगों के लिए डिजाइन किया गया है जो बचत करना चाहते हैं और खुद के लिए एक वित्तीय सुरक्षा जाल बनाना चाहते हैं और अपने स्वर्णिम वर्षों में सेवानिवृत्ति के बाद अपनी वर्तमान जीवन शैली को जारी रखने में सक्षमबनाता हैं। सीधे शब्दों में कहें तो यह वार्षिकी उत्पाद ग्राहकों को सेवानिवृत्ति के बाद उनकी मनचाही जिंदगी जीने में सक्षम बना सकता है। उत्पाद स्वयं के साथ-साथ अपने जीवनसाथी को कवर करने की सुविधा, प्रीमियम भुगतान अवधि, भुगतान की आवृत्ति और तुरंत या कुछ वर्षों के बाद आय वापस लेने का विकल्प प्रदान करता है। ग्राहकों की बढ़ती जरूरतों को पूरा करने के लिए, एचडीएफसी लाइफ स्मार्ट पेंशन प्लस को कई विकल्पमें पेश किया जाता है - तरलता विकल्प के साथ वार्षिकी, मुद्रास्फीति को कम करने के लिए सरल और चक्रवृद्धि वार्षिकी और अपने जीवन के लक्ष्यों को पूरा करने के लिए प्रीमियम की प्रारंभिक वापसी (यानी उत्तरजीविता लाभ)। ग्राहक उस विकल्प को चुनकर योजना को अनुकूलित कर सकते हैं जो उनकी आवश्यकताओं के अनुरूप हो - विचार यह है कि उन्हें पूर्ण वित्तीय स्वतंत्रता के साथ अपनी इच्छानुसार जीने में सक्षम बनाया जाए। लॉन्च पर बोलते हुए, अनीश खन्ना, हेड, प्रोडक्ट्स एंड, सेगमेंट एचडीएफसी लाइफ ने कहा, भारत में रिटायरमेंट सेविंग गैप 2050 तक 85 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। बढ़ती महंगाई, बढ़ती स्वास्थ्य देखभाल लागत और उच्च जीवन प्रत्याशा के साथ, यह अनिवार्य है कि व्यक्ति अपनी कमाई के वर्षों से परे एक नियमित आय की योजना बनाएं। हमारी नवीनतम पेशकश, एचडीएफसी लाइफ स्मार्ट पेंशन प्लस एक अनूठी वार्षिकी योजना है जिसे सेवानिवृत्ति के बाद के जीवनकि विशिष्ट आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए अनुकूलित किया जा सकता है। यह योजना कई सही गारंटीकृत आय विकल्प प्रदान करती है और ग्राहकों को उनके सेवानिवृत्ति जीवन के लिए पर्याप्त बचत करने में सक्षम बनाती है। हमारा मानना है कि नियमित प्रीमियम का भुगतान करने और ज्वाइंट लाइफ कवर लेने का विकल्प हमारे देश की आबादी के एक बड़े वर्ग को अपने स्वर्णिम वर्षों के लिए पहले से योजना बनाने में सक्षम बनाएगा।

राहुल गांधी कि लोकसभा सदस्यता रद्द किये जाने के विरोध में धरना प्रर्दशन आज

छिंदवाड़ । कांग्रेस सेवादल जिलाध्यक्ष सुरेश कपाले ने बताया कि अखिल भारतीय कांग्रेस सेवादल, प्रदेश कांग्रेस सेवादल के अव्हान पर जिलामुख्यालय सहित प्रत्येक ब्लाक मुख्यालयों पर पूर्व राष्टीय अध्यक्ष राहुल गांधी कि सदस्यता रद्द करने एवं प्रजातांत्रिक मूल्यों कि हत्या किये जाने के विरोध में रविवार को आज दोपहर 1 बजे गांधी प्रतिमा के समक्ष धरना प्रदर्शन किया जायेगा। इस अवसर पर कांग्रेस सेवादल, महिला कांग्रेस सेवादल, कांग्रेस सेवादल यूथ ब्रिगेड के सभी पदाधिकारियों को निर्धारित समय पर कार्यक्रम स्थल पर उपस्थित होने को कहा गया है।

नवरात्रि पावन पर्व पर कन्याओं को करायेंगे भोजन

परासिया । के उड़ान संस्था की अध्यक्ष डॉ श्रीमती मधु बत्रा की अध्यक्षता में उनके निवास स्थान पर संध्याकालीन बैठक का आयोजन किया गया बैठक में चर्चा कर निर्णय लिया गया कि नवरात्रि पावन पर्व के अवसर पर ग्रामीण क्षेत्र नोनिकला एवं दरवई ग्राम की कन्याओं को रविवार केअध्यक्षता दिन भोजन करायेगी साथ में पेंसिल,कापी चाकलेट भी बालिकाओं को दी जावेगी बैठक में मुख्य रूप से डा श्रीमती मधु बत्रा सहित के पी पांडे,पूरन राजलानी,डा अनिल सदाफल, जेठूलाल सोनी, श्रीमती विद्यावती वाजपेयी, श्रीमती माधुरी ठाकुर, श्रीमती अनीता अरोरा, श्रीमती सुनीता भल्ला, श्रीमती लीना जैन एवं श्रीमती राखी सहगल उपस्थित रहीं।

गृहमंत्री अमित शाह का स्वागत किया

छिंदवाड़ा । मध्य प्रदेश संत पुजारी संघ के द्वारा देश के गृहमंत्री अमित शाह का स्वागत किया गया जिसमें मध्यप्रदेश में पुजारी संघ समस्त टीम उपस्थित थे जिला अध्यक्ष पंडित सुनील तिवारी के साथ धनंजय शर्मा, सुरेंद्र शर्मा, शिव शंकर मिश्रा, लवली तिवारी, बंटी तिवारी, राजेश द्विवेदी, अवधेश तिवारी, सुरेश पांडे, सुरेश शर्मा के द्वारा स्वस्तिवाचन एवं दीप प्रज्वलित कार्यक्रम संपन्न किया गया

पत्नी हमेशा मोबाइल पर लगी रहती है मुझे शक हुआ पति ने कहा कि मैं तलाक चाहता हूं

परासिया । के परिवार परामर्श केन्द्र परासिया में दिन शनिवार को कुल 6 प्रकरण पंजीबद्ध किए गए 0 प्रकरण में समझौता हुआ 2 प्रकरण कोर्ट में चलने के कारण नस्तीबद्ध किए गए शेष प्रकरण में समन्वय नहीं बनने के कारण शेष प्रकरणों में अगली पेशी दी गईएक प्रकरण में आवेदिका पत्नी ने बताया कि शादी के 12 वर्ष हो गए पति विदेश में जाब करते थे पति शक करते थे तथा हर जगह मेरी बदनामी करते रहे पति का कहना है पत्नी हमेशा मोबाइल पर लगी रहती है मुझे शक हुआ पति ने कहा कि मैं तलाक चाहता हूं पति ने कहा कि हमारा मामला छिन्दवाड़ा कोर्ट में केश चल रहा है कोर्ट में केश फाइल? होने से प्रकरण नस्तीबद्ध किया गया। एक अन्य प्रकरण में पत्नी ने परामर्श केन्द्र में उपस्थित होकर बताया कि पति ने तलाक का प्रकरण नागपुर कोर्ट में लगाया है अत: इस प्रकरण को नस्तीबद्ध किया गया। एक अन्य प्रकरण में आवेदक पति ने कहा कि मैं शराब नहीं पियुंगा हम ऊपर रह लेंगे पत्नी ने कहा मुझे सास से शिकायत है दोनों को हर दृष्टिकोण से समझाया गयादोनों को अगली पेशी दी गई।

पुरानी रंजिश के चलते युवक की हुई हत्या

अमरवाड़ा । नगर के समीपस्थ ग्राम कोंडरा निवासी 27 वर्षीय युवक प्रभात पिता सुरेश वर्मा का शव छिंदवाड़ा नरसिंहपुर मार्ग में स्थित जुंगावनी के आगे मिला जानकारी के अनुसार घटना इस प्रकार बताई जाती है कि प्रभात का गांव के कुछ लोगों के साथ आपसी रंजिश के चलते विवाद चल रहा था और जिस की पेशी शुक्रवार को अमरवाड़ा न्यायालय में थी उन्हीं लोगों ने मिलकर प्रभात को शुक्रवार की दोपहर में बुलाया और मारपीट कर अपने साथ ले गए परिजनों ने रात घर युवक की तलाश की और फिर से थाने में सूचना दी लेकिन युवक का पता नहीं चला शुक्रवार शनिवार की दरमियानी रात्रि में प्रभात की हत्या कर उन लोगों के द्वारा शव को जुनवानी के आगे मुख्य मार्ग में फेंक दिया गया जैसे ही शनिवार सुबह लोगों ने देखा तो इसकी सूचना परिजनों को दी और पुलिस को दी पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को पीएम के लिए अमरवाड़ा हॉस्पिटल भेजा जहां पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच विवेचना में लिया वहीं आरोपी की तलाश पुलिस के द्वारा की जा रही है

सातों विधानसभा और लोकसभा भी जीतेंगे: अमितशाह

छिंदवाड़ा से कांग्रेस और कमलनाथ की छुट्टी करो- शिवराज सिंह, महाविजय उद्घोष जनसभा में उमड़ी भीड़

छिंदवाड़ा । केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने पुलिस ग्राउण्ड में आयोजित महाविजय उद्घोष जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि आने वाले विधानसभा में प्रदेश में भाजपा की सरकार बनेगी और 2024 में नरेन्द्र मोदी फिर प्रधानमंत्री बनेंगे। उन्होने जिले की सातो विधानसभा और लोकसभा सीट जिताकर कांग्रेस मुक्त करने जनता को संकल्प दिलाया। केन्द्रीय मंत्री ने कमलनाथ से सवाल किया कि आपको जनता ने एक मौका दिया था इसका हिसाब किताब तो दो शिवराज सिंह जो मध्यप्रदेश में छोड़ गए थे। उसमें आपने भ्रष्टाचार कर लूट खसोट का काम किया। अमित शाह ने कहा कि कांग्रेस ने गरीबी हटाओ का नारा दिया लेकिन गरीबों के लिए कोई काम नहीं किया मोदी जी ने 80 करोड़ गरीबों की जिंदगी बदलने का काम किया और देश की 130 करोड़ जनता को सुरक्षित करने का काम किया है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह ने भी सभा को संबोधित करते हुए कमलनाथ को निशाने पर लिया उन्होने कहा कि कमलनाथ डींगे हांकते हैं कि मैने ये कर दिया वो कर दिया अरे सरकार तो हमारी है बीजेपी ने विकास किया है। उन्होने कहा कि छिंदवाड़ा से कमलनाथ और कांग्रेस की छुट्टी करो।

कन्हान काम्पलेक्स में एडवांस पेमेंट किया

अमित शाह ने कमलनाथ पर भ्रष्टाचार के आरोप भी लगाए उन्होने कहा कि कन्हान काम्पलेक्स बांध में सैकड़ों करोड़ रूपए का किसी प्रक्रिया के बगैर एडवांस भुगतान कर दिया इनके इर्द गिर्द के लोगों के नाम भी इसके अंदर आए हैं अगत्सा वेस्टलैंड के घोटाले घपले भी आए हैं। इन्होने पहले चुनाव में कहा था बेरोजगारी भत्ता देंगे दिया क्या वृद्वावस्था पेंशन बढ़ाने वाले थे बढाया क्या जो शिवराज जी ने शुरू किया था जो चल रहा था वो भी बंद कर दिया संबल, तीर्थदर्शन और न जाने कितनी ही गरीबों की योजनाओं को बंद करने का काम कमलनाथ जी ने किया।

कांग्रेस कमलनाथ वादे करते हैं

शाह ने कहा कि कमलनाथ जी मैं आपके क्षेत्र में आया हूं मैं कहता हूँ कि आपने कहा थो सरकारी शक्कर कारखाना खोलेंगे कारखाना खुला क्या, हर्रई विकासखण्ड में माचिस का कारखाना खोलने का वादा किया था ये भी नहीं खुला सौंसर में पेंच थर्मल बनवाने की घोषणा हुई ये भी नहीं हुआ। उन्होने कहा कि कांग्रेस और कमलनाथ जी सिर्फ वादा करते हैं उसे पूरा करने के लिए कुछ नही करते।

धारा 370 को लटकाती रही कांग्रेस

सभा को संबोधित करते हुए श्री शाह ने कहा कि कश्मीर भारत का है या नहीं बताईये धारा 370 हटनी चाहिए थी कि नहीं कांग्रेस आजादी से अब तक धारा 370 को लटकाती रही अटकाती रहीं नहीं हटाती थी मोदी जी ने संसद में एक बिल लाकर धारा 370 समाप्त कर दी और हमारा कश्मीर भारत के साथ हमेशा के लिए जुड़ गया यह नरेन्द्र मोदी ही कर सकते हैं। उनके जमाने में आलिया, मालिय, जमालिया हर रोज घुस जाते थे हमारे जवानों के सर काटकर ले जाते थे कांग्रेस ने उफ तक नहीं किया मोदी जी ने पकिस्तान में घुसकर आतंककियों का सफाया करने का काम किया।

आदिवासी की बेटी राष्ट्रपति बनीं

उन्होने कहा कि छिंदवाड़ा जनजाति ओर पिछड़े वर्ग के भाई बहनों की धरती है आदिवासी और पिछले वर्ग की चिंता भाजपा ने ही की है। मोदी जी ने ओबीसी समाज को अदर बैकवर्ड क्लास के कमिशन को संवैधानिक दर्जा देकर पिछड़े समाज के सम्मान की नीव डाली और 75 साल के बाद पहली बार गरीब

आदिवासी घर की बेटी द्रोपदी मुर्मू को राष्ट्रपति बनाकर आदिवासियों का सम्मान किया मोदी जी ने 9 साल के अंदर 80 करोड़ गरीबों के जीवन के अंदर बड़ा परिवर्तन किया।

छिंदवाड़ा से कांग्रेस और कमलनाथ की छुट्टी करो: शिवराज

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि अमित शाह जी ने छिंदवाड़ा में कदम भी नहीं रखा था कि इससे पहले कांग्रेसी घबरा गए, शाह ने तीन तलाक के कलंक को खत्म कर दिया उन्होने कमलनाथ को घेरते हुए कहा कि वे डींगे हांकते हैं कि मैने ये कर दिया उनका बस चले तो कह दें कि पातालकोट भी मैने बनवाया है। उन्होने कमलनाथ को कपटनाथ और झूठनाथ कहा उन्होने कहा कि प्रदेश में कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ, मुख्यमंत्री कमलनाथ, नेता प्रतिपक्ष कमलनाथ और युवाओं के नेता नकुलनाथ ऐसे कमलनाथ की छिंदवाड़ा से छुट्टी करों और कांग्रेस के भी छुट्टी करो।

सिंचाई काम्पलेक्स में 2150 करोड़ एडवांस दिया

मुख्यमंत्री ने कहा कि सिंचाई काम्पलेक्स परियोजना हमने इस लिए रोक लगाई है क्योंकि कांग्रेस सरकार में बिना डिजाईन और अनुमोदन के 2150 करोड़ रूपए एडवांस भुगतान करने का काम किया जिसकी एफआईआर हो गई है और अधिकारियों पर कार्रवाई की गई है। सवा साल की सरकार में कांग्रेस ने सिर्फ लूटने का काम किया है। छिंदवाड़ा में विकास के काम भाजपा की सरकार में हुए हैं।

सभा के बाद आंचलकुंड दरबार गए शाह

केन्द्रीय मंत्री अमितशाह को आदिवासियों के आस्था के केन्द्र हर्रई ब्लाक के आंचलकुंड दादा दरबार मंदिर से अपने दौरे की शुरूआत करनी थी लेकिन देरी की वजह से वे सीधे सभा स्थल पर पहुंचे और सभा के बाद आंचलकुंड दादा दरबार मंदिर पहुंचे और पूजा अर्चन की। और धर्म गुरूओं का सम्मान किया।

आदिवासी अंचल में ग्रामवासियों ने किया आत्मीय स्वागत

छिंदवाड़ा जिले के हर्रई विकासखंड के ग्राम आँचलकुण्ड में श्री दादा धूनी वाले दरबार आँचलकुण्ड धाम में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भक्तिभाव से पूजा अर्चना की और प्रदेशवासियों के लिये मंगल कामना की । उन्होंने यहाँ माँ नर्मदा के अनन्य पुजारी परिक्रमावासी एवं नागा साधुओं के प्रथम गुरु गौरीशंकर महाराज के परम शिष्य केशवानन्द महाराज एवं हरिहर भोले भगवान साईंखेड़ा धाम के परम शिष्य कंगालदास जी महाराज एवं शिष्य रतनदास महाराज की समाधि स्थल पर चादर भी चढ़ाई । मुख्यमंत्री श्री चौहान ने इस पावन स्थल पर भज लो दादा जी का नाम, भज लो हरिहर जी का नाम का भी कीर्तन किया । उन्होंने मंदिर परिसर में विगत तीन पीढ़ियों से प्रज्ज्वलित धूनी में हवन भी किया। रतनदास जी महाराज के ज्येष्ठ सुपुत्र सुखरामदास जी महाराज से भेंट की एवं आशीर्वाद लिया। सुखरामदास जी महाराज द्वारा पारंपरिक रूप से तैयार छींद का मुकुट पहनाकर स्वागत किया। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने श्री दादा धाम परिसर में उनके शिष्यों का शॉल श्रीफल देकर सम्मान भी किया । उन्होंने मंदिर परिसर में मौजूद श्रध्दालुओं एवं ग्रामवासियों से आत्मीय संवाद भी किया। उन्होंने कहा कि इस मंदिर के विकास कार्यों के लिए आवश्यकतानुसार सभी इंतज़ाम किए जाएंगे।

आंचलकुंड में पानी की समस्या की जानकारी ली

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि आँचलकुण्ड में सिंचाई के पानी की समस्या की जानकारी उन्हें ग्रामवासियों द्वारा दी गई है । इसके लिए उन्होंने जिला प्रशासन द्वारा टीम गठित कर सर्वे करवाने और सर्वे की रिपोर्ट के अनुरूप बांध बनाने के लिये आश्वस्त किया । इसके अलावा बिजली की समस्या के निराकरण के लिए भी कार्य किया जाएगा । आँचलकुण्ड बस्ती से आँचलकुण्ड मंदिर आने के दौरान ग्रामवासियों द्वारा पारंपरिक वेशभूषा में मृदंग, बाजा, ढोल, शहनाई आदि बजाकर मुख्यमंत्री श्री चौहान का धूमधाम से स्वागत किया गया । इस अवसर पर सांसद वी.डी.शर्मा, प्रदेश के गृह मंत्री डॉ.नरोत्तम मिश्रा और प्रदेश के किसान कल्याण तथा कृषि विकास एवं जिले के प्रभारी मंत्री कमल पटेल सहित अन्य विशिष्ट जनप्रतिनिधि, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत पार्थ जैसवाल व एसडीएम मनोज प्रजापति सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे ।

आमसभा में ये नेता थे उपस्थित

आमसभा में प्रमुख रूप से प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बी.डी.शर्मा, केन्द्रीय मंत्री फग्गन सिंह कुलस्ते, सांसद दुर्गादास, गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा, प्रदेश भाजपा प्रभारी मुरलीधर राव, संगठन मंत्री हितानंद शर्मा, प्रभारी मंत्री कमल पटेल, राज्यसभा सांसद कविता पाटीदार, संतोष पारिख, प्रदेश भाजपा युवा मोर्चा अध्यक्ष वैभव पवार, पूर्व विधायक पंडित रमेश दुबे, पूर्वमंत्री चौधरी चन्द्रभान, शेषराव यादव, नानामोहोड़, ताराचंद बावरिया, नत्थनशाह, पूर्व जिला भाजपा अध्यक्ष रमेश पोफली, अजय चौरे, विजय झांझरी, पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष कन्हईराम रघुवंशी, दौलत सिंह ठाकुर, श्रीमति कांता सदारंग, नगर निगम नेता प्रतिपक्ष विजय पांडे, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमति कांता ठाकुर, रोहित पोफली, परमजीत बिज, नरेश दिवाकर, राजू परमार,संतोष जैन, मारोतीराव खवसे, श्रीमति महाले, किसान मोर्चा अध्यक्ष दर्शनलाल चौधरी, सुनील परतेती, नपा अध्यक्ष विनोद मालवी, नीलेश कंगाली, युवा मोर्चा अध्यक्ष योगेन्द्र राणा, अनन्त धुर्वे, संजय सक्सेना, संजय पटेल सहित भाजपा वरिष्ठ नेता,पदाधिकारी और बड़ी संख्या में जिले भर से आए कार्यकर्ता और आमजनता उपस्थित थी।

जब तक अरहत चलती रहेगी तब तक बौद्ध धर्म चलेगा:डॉ चंदेलकर

धर्म और धम्म दोनों अलग-अलग चीजें हैं, बौद्ध धर्म मोक्षदाता नहीं मार्गदाता है : शिवचरण मेश्राम

छिंदवाड़ा । हीनयान, महायान, वज्रयान की विचारोत्तेजक परंपरा के साथ बौद्ध दर्शन ऐतिहासिक परिपेक्ष विषय पर इतिहास विभाग द्वारा आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी का समापन मुख्य अतिथि डॉ एन जी पेण्डसे, प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष अर्थशास्त्र रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय जबलपुर, अध्यक्षता प्राचार्य डॉ पी आर चंदेलकर तथा डा शिवचरण मूत्राशय, प्राचार्य शासकीय महाविद्यालय अमरवाड़ा की उपस्थिति में संपन्न हुआ। आज दो तकनीकी सत्र आयोजित हुए जिसमें प्रथम सत्र की अध्यक्षता डॉ रेखा रानी राठौर और दूसरे सत्र की अध्यक्षता डॉ सुमित प्रियदर्शी खोबरागडे द्वारा की गई। सह-अध्यक्ष के रूप में डॉ सरोज डोंगरे और डॉक्टर ज्वाला भारत दोहने द्वारा किया गया। विषय विशेषज्ञ के रूप में डॉ. राजू उनदौरकर, डॉ सुचिता लाले रही। तकनीकी सत्रों में शोध पत्र भी प्रस्तुत किए गए जिनमें कुमारी सोनाली साँची, डॉ सुरेंद्र कुमार बौद्ध, लक्ष्मीकांत चंदेला, राजेश कहार एवं नीलम कीर्ति गेडाम उल्लेखनीय रहे। मुख्य अतिथि डॉ. पेंण्डसे ने बौद्ध दर्शन की ऐतिहासिकता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि अर्थशास्त्र भी दर्शन के ऊपर आधारित रहता है । अध्यक्षता करते हुए डॉ पी. आर.चंदेलकर ने बताया कि जब तक अरहत चलती रहेगी तब तक यह बौद्ध धर्म चलेगा। डॉ शिवचरण मेश्राम ने कहा कि धर्म और धम्म दोनों अलग-अलग चीजें हैं। तकनीकी सत्रों में डा. खोबरागड़े ने बौद्ध स्तूपों के संदर्भ में विस्तार से बताये एवं अशोक की पुत्री संघमित्रा का स्तूपों की चर्चा को। डॉ. रेखा रानी राठौर ने बताया कि विश्व के सभी महाद्वीपों में बौद्ध धर्म के अनुयाई हैं ।

जिले की जनता भोली है, लेकिन ना समझ नहीं: ओक्टे

झूठ बोलकर गृहमंत्री ने किया गुमराह करने का प्रयास

छिन्दवाड़ा । जिला मुख्यालय छिन्दवाड़ा के पुलिस मैदान में आयोजित जनसभा में देश के गृहमंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता अमित शाह ने अपने उदबोधन में छिन्दवाड़ा में हुये विकास को लेकर जो तथ्य प्रस्तुत किये उन्हें सुनकर यह स्पष्ट हो गया है कि उन्हें अमित शाह से भ्रमित शाह बनाया गया है। लेकिन माननीय यह भूल गये हैं कि छिन्दवाड़ा जिले की जनता भोली जरूर है लेकिन ना समझ नहीं है एक विज्ञप्ति के माध्यम से अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुये जिला कांग्रेस अध्यक्ष विश्वनाथ ओक्टे ने कहा कि देश के गृहमंत्री अमित शाह द्वारा छिंदवाड़ा की सभा में उठाए गए सवालों का जवाब हम बिन्दुवार देते हैं। पिछड़ा वर्ग को 27 प्रतिशत आरक्षण देने का काम कमलनाथ के नेतृत्व में कांग्रेस की सरकार ने किया। इसके पूर्व में मध्यप्रदेश में कांग्रेस की सरकार ने ही पिछड़ा वर्ग को 14 प्रतिशत आरक्षण देने का काम किया था, मध्य प्रदेश के आदिवासियों को साहूकारी ऋणों से

बचाते हुए साहूकारी ऋण शून्य घोषित करने का काम कमलनाथ के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार ने किया और आदिवासियों को साहूकारी ऋण से बचाया, कमलनाथ ने विश्व आदिवासी दिवस पर शासकीय अवकाश घोषित कर आदिवासी समाज को एक बड़ी सौगात दी, मध्यप्रदेश में सभी प्रकार की सामाजिक सुरक्षा पेंशन की राशि 300 से बढ़ाकर 600 कमलनाथ के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार ने की। जबकि दिग्विजय सिंह के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार ने ही 150 रुपए पेंशन देने की शुरुआत की थी। उस पेंशन को डेढ़ सौ से 300 होने में 15 साल लगे लेकिन कमलनाथ ने 300 से 600 करने में मात्र 15 महीने लिए, मध्यप्रदेश में कांग्रेस की सरकार ने संबल योजना बंद नहीं की थी बल्कि उसका नाम "नया सवेरा" योजना किया था और संबल योजना में व्याप्त विसंगतियों को दूर करने का काम भी कमलनाथ के नेतृत्व वाली कांग्रेस की सरकार ने किया था, कांग्रेस की सरकार ने तीर्थ दर्शन योजना बंद नहीं की थी यह कोरा झूठ है कमलनाथ के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार ने भी बुजुर्गों को तीर्थ दर्शन कराने का काम किया था, कमलनाथ ने केन्द्रीय राष्टीय राजमार्ग मंत्री रहते हुये नरसिंहपुर से छिंदवाड़ा होते हुए नागपुर तक राष्ट्रीय राजमार्ग का निर्माण यूपीए की सरकार में कराया, बैतूल से छिंदवाड़ा होते हुए जबलपुर राष्ट्रीय राजमार्ग का निर्माण भी कमलनाथ ने राष्ट्रीय राजमार्ग मंत्री रहते केंद्र की कांग्रेस नीत यूपीए सरकार ने किया था, छिंदवाड़ा जिले के पांढुर्णा से अमरावती तक राष्ट्रीय राजमार्ग बनाने का कार्य भी कमलनाथ के केन्द्रीय राष्ट्रीय राजमार्ग मंत्री रहते हुये पूर्ण हुआ। , छिंदवाड़ा जिले के लिए सड़कों की सौगात केंद्रीय मंत्री रहते प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना से सबसे अधिक राशि कमलनाथ द्वारा दिलवाई गई। राष्ट्रीय स्तर पर सर्वाधिक प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना बनाने को लेकर छिंदवाड़ा जिले को सम्मान भी प्राप्त हुआ था, छिंदवाड़ा से नागपुर ब्रॉड गेज कमलनाथ के केंद्रीय मंत्री रहते कांग्रेस नीत यूपीए सरकार ने 2005 में स्वीकृत किया था और तत्कालीन रेल मंत्री लालू प्रसाद यादव और कमलनाथ ने इस परियोजना का भूमि पूजन किया। इसके अलावा कमलनाथ ने केंद्रीय मंत्री रहते आमला, जुन्नारदेव, परासिया, छिंदवाड़ा से कोराडी तक रेलवे ट्रैक विद्युतीकरण की भी योजना स्वीकृत करवाई थी जिसका भूमि पूजन वर्ष 2012 में रेल मंत्री मुकुल राय की उपस्थिति में कमलनाथ ने किया था, छिंदवाड़ा से नैनपुर होते हुए मंडला फोर्ट ब्रॉडगेज परियोजना की स्वीकृति कमलनाथ ने केंद्रीय मंत्री रहते कांग्रेस नीत यूपीए सरकार के समय में करवाई थी। अंत में श्री ओक्टे ने कहा कि अमित शाह के हर शगूफे का जवाब कांग्रेस के पास है और जनता के सामने प्रस्तुत है। परन्तु जिले की जनता श्री शाह से यह अपेक्षा करती है कि वे जनता द्वारा पूछे गये हर प्रश्नों का जवाब जरूर दें।

भाजपा देख रही खुली आंखों से सपना: कांग्रेस

पत्रकारवार्ता में कांग्रेस नेताओं ने लगाये गम्भीर आरोप, पूछे सवाल

छिन्दवाड़ा । केन्द्र और राज्य के भाजपा नेता खुली आंखों से वो सपना देख रहे हैं, जो छिन्दवाड़ा की धरती पर कभी पूरे नहीं हो सकते। छिन्दवाड़ा जिले की जागरूक जनता का ध्यान मोडने़ के लिये अब तक आये भाजपा के शीर्षस्थ नेताओं को शायद इस बात का भान नहीं है कि यहां का प्रत्येक नागरिक सत्य के साथ खड़ा है और सच्चाई का साथ देता है। भाजपा ने जिले के विकास को सौ साल पीछे धकेल दिया है इसके एक नहीं अपितु अनेकों प्रत्यक्ष उदाहरण जनता के सामने है। विकास में बाधा बनी भाजपा के गृहमंत्री अमित शाह से छिन्दवाड़ा जिले का हर वर्ग सवाल कर रहा है कि भाजपा बदले की भावना कब छोड़ेगी।

राहुल गांधी से भाजपा को डर लग रहा: तिवारी

राजीव भवन में आज आयोजित पत्रकारवार्ता में कांग्रेस नेताओं ने जमकर भाजपा को घेरा और जनता से जुड़े प्रश्न भाजपा पर दागे। साथ ही गृहमंत्री से यह भी अपेक्षा की कि वे इन प्रश्नों का उत्तर दें। आयोजित पत्रकार वार्ता को सम्बोधित करते हुये प्रदेश कांग्रेस उपाध्यक्ष गंगाप्रसाद तिवारी ने कहा कि राहुल गांधी से भाजपा को डर लग रहा है और इस डर के लिये भाजपा सरकार अब तानाशाह हो रही है।कांग्रेस के राष्ट्रीय नेता राहुल गांधी के साथ जो हुआ वह एक तानाशाह सरकार का रवैया है। हमारा जिला कृषि प्रधान है। सम्पूर्ण अर्थव्यवस्था खेती किसानी पर टिकी है। कन्हान सिंचाई कॉम्प्लेक्स से सिंचाई का रकबा बढ़ता और किसान आर्थिक रूप से सशक्त होते। वे सवाल कर रहे हैं कि आखिर उनका क्या दोष था कि आज उनके खेतों में सिंचाई के लिये भाजपा ने पानी नहीं पहुंचने दिया। कमलनाथ जी ने 100 रुपए में 100 यूनिट बिजली दी जो अमीर और गरीब सभी के लिये समान थी, किन्तु भाजपा लाड़ली बहना योजना लेकर आई जिसमें अनेकों नियम और शर्तों का पेंच लगा दिया है।

अमित शाह देकर जायें जनता के सवालों का जवाब: ओक्टे

जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष विश्वनाथ ओक्टे ने कहा कि गृहमंत्री अमित शाह

जिले की जनता के सवालों का जवाब अवश्य देकर जायें। कमलनाथ एवं नकुलनाथ जी ने कांग्रेस की सरकार में 1456 करोड़ रुपयों के मेडिकल कॉलेज की स्वीकृति दिलाई, लेकिन भाजपा ने इस बजट को 665 करोड़ तक सीमित कर दिया। अब मेडिकल कॉलेज में हृदय रोग, कैंसर रोग, और न्यूरो बीमारियों का उपचार नहीं होगा। नकुलनाथ जी ने विश्वविद्यालय के लिये 6 सौ करोड़ रुपये स्वीकृत कराये ताकि उच्च शिक्षा का लाभ सिवनी, बैतूल एवं छिन्दवाड़ा जिले के छात्र-छात्राओं को प्राप्त हो सके, किन्तु आज हमारा विश्वविद्यालय एक पुस्तकालय में संचालित हो रहा है। माचागोरा जलाशय, सारोठ जलाशय पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ की देन है। कमलनाथ ने एग्रीकल्चर कॉलेज, हॉर्टिकल्चर कॉलेज के लिए बजट दिलाया, गारमेंट पार्क का निर्माण होता किन्तु भाजपा को छिन्दवाड़ा का विकास रास नहीं आया। सत्ता में आते ही भाजपा ने सम्पूर्ण विकास कार्यों पर विराम लगा दिया। मेडिकल कॉलेज के सामने निर्मित 650 करोड़ रुपयों का फ्लाईओवर कांग्रेस सरकार की देन है, किन्तु लोकार्पण की भूखी भाजपा के नेताओं ने इसका लोकार्पण किया। 233 करोड़ रुपए की लागत से जेल कॉम्प्लेक्स का निर्माण होता इसका भी काम लंबित है। 250 हेक्टेयर में एयरपोर्ट के निर्माण का लाभ छिन्दवाड़ा जिले की जनता को ही मिलता, किन्तु इसे भी भाजपा ने आकार नहीं लेने दिया।

पंचायती राज को भाजपा ने समाप्त किया: पुन्हार

आयोजित पत्रकार वार्ता को सम्बोधित करते हुये जिला पंचायत अध्यक्ष संजय पुन्हार ने कहा कि पंचायती राज को समाप्त करने का काम भाजपा ने किया है। सरपंच और पंच के अधिकार समाप्त कर दिए हैं। विभिन्न योजनाओं के लिये केन्द्र से प्राप्त होने वाली राशि अभी तक अप्राप्त है। केन्द्र से लगातार भाजपा के मंत्री आते है भ्रम फैलाते हैं और चले जाते हैं, किन्तु वे विकास की बात नहीं करते केवल वोट की राजनीति करने के लिये आते। विकास के लिए कमलनाथ जी ने अपना पूरा जीवन समर्पित कर दिया। भाजपा के शासन काल में योजनाओं में फंड नहीं आ रहा है, कुछ की हालत चिंताजनक है। 15 वित्त की राशि अभी तक प्राप्त नहीं हुई है फिर भाजपा किस मुंह से विकास की बात करती है।

भाजपा के राज में शिक्षक विहीन स्कूल: अहके

छिन्दवाड़ा नगर पालिक निगम के महापौर विक्रम अहके ने कहा कि पिछले 42 सालों से पूर्व सीएम कमलनाथ छिन्दवाड़ा में एक समाजसेवी के रूप में कार्य कर रहे हैं। उन्होंने छिन्दवाड़ा के विकास में कोई कमी नहीं रहने दी अब सांसद नकुलनाथ निरंतर विकास को गति दे रहे हैं, किन्तु आज केन्द्र और राज्य में बैठी भाजपा की सरकार है और योजनाओं की हालत चिंताजनक है। जिस बटकाखापा में आज केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह पहुंचे वहां के अनेकों शासकीय स्कूल शिक्षक विहीन है। भाजपा आदिवासियों की हितैषी बनती है, किन्तु आज आदिवासियों के उत्थान के लिये चलाई जाने वाली योजनाओं में राशि नहीं है। आदिवासी छात्र-छात्राओं को छात्रवृत्ति नहीं मिल रही है फिर भाजपा कैसे अपने आपको आदिवासी हितैषी कह सकती है यह तो केवल उनका चुनावी रंग है। खेलों को बढ़ावा देने की बात करने वाली भाजपा ने खेल मैदानों को तहश नहश कर दिया है, यही भाजपा की सच्ची सोच और विचार है।

पुरानी पेंशन बहाली करने मांग की

छिंदवाड़ा। मध्यप्रदेश शासन भोपाल के नाम 1 सूत्री मांग-प्रथम नियुक्ति दिनांक से पुरानी पेंशन वरिष्ठता के साथ प्रदान की जाए का ज्ञापन सौंपा जाएगा। इसी तारतम्य छिंदवाड़ा जिले माननीय गृहमंत्री अमित शाह एवं प्रदेश के मुख्यमंत्री माननीय शिवराज जी चौहान को जनप्रतिनिधि के माध्यम से मध्य प्रदेश में 6.30 लाख शिक्षा अधिकारी कर्मचारियों के लिए पुरानी पेंशन योजना लागू करने के लिए ज्ञापन सौंपा गया उन से निवेदन किया गया है

महापौर विक्रम अहके ने आंगनवाड़ी आशा कार्यकर्ताओं को दिया समर्थन

छिंदवाड़ा । नगर पालिक निगम छिंदवाड़ा के महापौर विक्रम अहके ने नवरात्र के पावन पर्व पर विभिन्न मांगो को लेकर कड़ी धूप में बैठी हजारों आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं ,साहिकाओ एवं आशा उषा कार्यकर्ताओं के पंडाल में पहुंचकर समर्थन दिया। इस अवसर पर अनुसूचित जाति आयोग के सदस्य गुरुचरण खरे, कार्यवाहक अध्यक्ष आरिफ ठाकुर, एस टी सेल अध्यक्ष किशोर उइके, एससी सेल अध्यक्ष प्रकाश मेहरोलिया, हरि नागवंशी, अनिल इंगले, अनिकेत विश्वकर्मा, धीरज राउत, आशीष सलामे एवं बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

वसुधैव कुटुम्बकम्
ONE EARTH • ONE FAMILY • ONE FUTURE

मध्यप्रदेश शासन

आज़ादी का अमृत महोत्सव

नरेन्द्र मोदी
प्रधानमंत्री

3 साल विकास के

शिवराज सिंह चौहान
मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

मध्यप्रदेश की सिंचाई क्षमता में अभूतपूर्व वृद्धि

- पिछले 3 साल में 6 लाख हेक्टेयर से अधिक की नई सिंचाई क्षमता विकसित
- नर्मदा कछार की ₹ 24 हजार 500 करोड़ से अधिक लागत की 5 लाख 50 हजार हेक्टेयर से अधिक की सिंचाई क्षमता वाली 12 परियोजनाओं के निर्माण की शुरुआत
- ₹ 44 हजार 600 करोड़ से अधिक लागत की केन-बेतवा लिंक परियोजना
- देश की पहली वृहद प्रेशराइज्ड पाइप सिंचाई परियोजनाएँ-मोहनपुरा, कुंडालिया। अनुमानित ₹ 8500 करोड़ की लागत (2,85,000 हेक्टेयर सिंचाई की क्षमता, इस वर्ष 1,25,000 हेक्टेयर में सिंचाई)

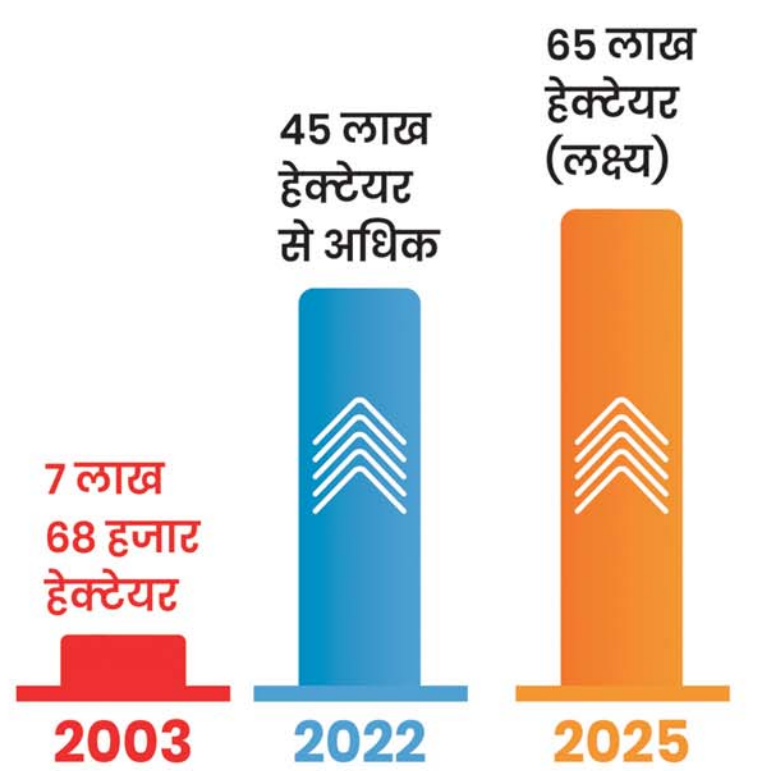

सिंचाई क्षमता

D11257/22

मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी